जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:195 दिनांक:26-06-2024 बुधवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले सीबीआई ने केजरीवाल को दिल्ली शराब घोटाले मामले में गिरफ्तार कर लिया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी 18वीं लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता बनाये गये हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर संसद में विपक्षी गठबंधन के घटक दलों के नेताओं की बैठक के बाद यह जानकारी दी।

सीबीआई ने सीएम केजरीवाल को तिहाड़ से किया गिरफ्तार, कोर्ट में करेगी पेश

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तिहाड़ जेल से सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई ने सोमवार को तिहाड़ जेल में अरविंद केजरीवाल से पूछताछ की और आबकारी नीति मामले से संबंधित उनका बयान दर्ज किया। सीबीआई को अरविंद केजरीवाल को कल संबंधित ट्रायल कोर्ट में पेश करने की अनुमति भी मिल गई है। उन्हें कल कोर्ट में पेश किया जाएगा।

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय को भी बयान आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल के खिलाफ भाजपा की केंद्र सरकार का बड़ी साजिश रच रही है। सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल से दिल्ली शराब घोटाले में पूछताछ की है। बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को निचली अदालत के जमानत के आदेश पर रोक लगा दी। आप नेता संजय सिंह ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि जमानत रोकने के लिए सरकार ने साजिश रची है। आपको बता दें कि ईडी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में कल सुनवाई होने वाली है।

इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को जमानत देने के निचली अदालत के आदेश पर मंगलवार को रोक लगा दी थी। जस्टिस सुधीर कुमार जैन की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि निचली अदालत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उसके समक्ष पेश की गई सभी सामग्री का उचित आकलन करने में विफल रही और उसने आम आदमी पार्टी नेता की जमानत याचिका पर फैसला करते समय विवेक का इस्तेमाल नहीं किया।

पीठ ने कहा कि जमानत आदेश को लेकर ईडी की आपत्तियों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इसने कहा कि निचली अदालत के न्यायाधीश ने विवादित आदेश पारित करते समय रिकॉर्ड पर प्रस्तुत सामग्री/दस्तावेजों और ईडी द्वारा उठाए गए तर्कों का उचित आकलन नहीं किया। पीठ ने कहा कि धारा 439(2) के तहत याचिका में दी गई दलीलों/आधारों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। हाईकोर्ट ने कहा, ''तदनुसार, वर्तमान आवेदन स्वीकार किया जाता है और विवादित आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाई जाती है।''

निचली अदालत ने दी थी जमानत

निचली अदालत की जज, न्याय बिंदु ने 20 जून को केजरीवाल को जमानत दे दी थी और एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया था। ईडी ने अगले दिन हाईकोर्ट का रुख किया और दलील दी कि निचली अदालत का आदेश ''त्रुटिपूर्ण, एकतरफा और गलत'' था तथा उसे मामले पर बहस करने का पर्याप्त अवसर दिए बिना पारित कर दिया गया। जमानत आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाने की ईडी की अर्जी पर 34 पृष्ठों के आदेश में जस्टिस जैन ने कहा कि प्रत्येक अदालत का यह दायित्व है कि वह पक्षों को अपना-अपना मामला प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त अवसर दे और इस मामले में भी ईडी को केजरीवाल की जमानत याचिका पर दलीलें पेश करने का पर्याप्त अवसर दिया जाना चाहिए था।

जस्टिस जैन ने कहा कि निचली अदालत ने ईडी द्वारा लिखित दलीलों सहित दी गई अन्य दलीलों पर चर्चा और विचार नहीं किया और न ही जमानत देते समय धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 45 के तहत ''दोहरी शर्त'' की आवश्यकता के संबंध में भी चर्चा की। पीएमएलए की धारा 45 के तहत किसी आरोपी को 'दोहरी शर्त' के मद्देनजर जमानत दी जा सकती है, यानी अदालत को प्रथम दृष्टया यह विश्वास हो कि वह ऐसे अपराध का दोषी नहीं है

स्पीकर चुनाव को लेकर कांग्रेस और टीएमसी के बीच बना गतिरोध खत्म

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्पीकर के चुनाव को लेकर कांग्रेस और टीएमसी के बीच बना गतिरोध खत्म हो गया है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर पर होने वाली बैठक में टीएमसी अपना प्रतिनिधिमंडल भेज रही है। लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए के सुरेश के नामांकन से तृणमूल खेमे में खलबली मच गई थी, टीएमसी का कहना था कि ये कांग्रेस का एकतरफा फैसला है। वहीं कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि ये आखिरी मिनट में लिया गया निर्णय था, उन्हें दोपहर की समय सीमा से 10 मिनट पहले फोन करना था और इसी वजह से कोई परामर्श नहीं किया जा सका।

सूत्रों के मुताबिक बीजेपी सांसद ओम बिरला के खिलाफ चुनाव लड़ रहे के सुरेश ने तृणमूल कांग्रेस से समर्थन मांगा है। वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चुनाव लड़ने के अचानक फैसले के बारे में समझाने के लिए तृणमूल कांग्रेस के दूसरे नंबर के नेता अभिषेक बनर्जी से भी मुलाकात की है। ये पूछे जाने पर कि क्या तृणमूल के सुरेश को समर्थन देने पर विचार करेगी, उन्होंने कहा, हम एक बैठक करेंगे और चर्चा करेंगे। हमारे नेता फैसला लेंगे, ये पार्टी का निर्णय है।

के. सुरेश के नाम को लेकर विपक्षी गठबंधन में दरार? टीएमसी ने कहा- हमसे सुझाव नहीं लिया गया

नई दिल्ली , विपक्षी गठबंधन की सहयोगी पार्टी तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि के. सुरेश के नाम पर पार्टी के किसी भी नेता के साथ चर्चा नहीं की गई। विपक्ष ने के. सुरेश को लोकसभा स्पीकर पद के लिए अपना उम्मीदवार बनाया है।

18वीं लोकसभा के लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए विपक्षी गठबंधन ने भी अपना उम्मीदवार उतार दिया है। केरल से कांग्रेस सांसद के. सुरेश को गठबंधन का उम्मीदवार बनाया गया है। लेकिन लग रहा है कि इस फैसले के बाद विपक्ष के अंदरखाने कुछ सही नहीं चल रहा।

दरअसल विपक्षी गठबंधन की सहयोगी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का कहना है कि के. सुरेश के नाम पर पार्टी के किसी भी नेता के साथ चर्चा नहीं की गई। जिस समय के.सुरेश ने लोकसभा स्पीकर के चुनाव के लिए नामांकन भरा, उस समय तृणमूल कांग्रेस का कोई भी नेता वहां हस्ताक्षर करने के लिए मौजूद नहीं था। जब टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी से इस मुद्दे पर उनकी पार्टी के रुख को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि अभी तक संपर्क नहीं हो पाया है। बनर्जी ने आगे कहा कि दुर्भाग्य से यह एक तरफा लिया गया फैसला है। टीएमसी सांसद के अनुसार किसी ने भी इस बारे में टीएमसी से राय नहीं ली और इस बारे में पार्टी की प्रमुख ममता बनर्जी ही कोई फैसला लेंगी।

मंत्री आतिशी का अनशन खत्म

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली जल संकट को लेकर मंत्री आतिशी का अनशन 5वें दिन खत्म हो गया है। आतिशी की सोमवार-मंगलवार की देर रात को तबीयत बिगड़ गई थी। आप नेताओं ने उन्हें तड़के करीब 3 बजकर 38 मिनट पर एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया। मंगलवार को संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि आतिशी का अनशन अब खत्म हो गया है। उनका बल्ड शुगर लेवल 36 पहुंच गया है। यह मंगलवार देर रात 43 रिकॉर्ड किया गया था। आतिशी दिल्ली जल संकट को लेकर 21 जून से जंगपुरा के भोगल में अनशन पर बैठी थीं।

नीट मामले का एमपी के डॉ जोशी का एक प्रिंटिंग प्रेस से संबंध चर्चाओं में,शिक्षा मंत्रालय क्यों है डॉ जोशी पर मेहरबान

भोपाल,(ईएमएस)। नीट मामले के तार मध्य प्रदेश से जुड़े तो सभी को एनटीए चेयरमैन डॉक्टर प्रदीप जोशी का पिछला कार्यकाल और एक प्रिंटिंग प्रेस से उनका खास जुड़ाव सामने आ गया है। इसे लेकर कई सवाल उठ खड़े हुए हैं, लेकिन शिक्षा मंत्रालय का उनके सिर पर हाथ है, इसलिए उन पर कोई कार्रवाई होगी यह तय नहीं है। बताते चलें कि नीट पेपर लीक और ग्रेस मार्कस वाले मामले में एक प्रिंटिंग प्रेस की अहम भूमिका को तलाशा जा रहा है, जो बेवजह भी नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी नीट मामले में जोशी पर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग कर चुके हैं।

नीट-यूजी परीक्षा 2024 के पेपर लीक और रिजल्ट मामले को लेकर अब एनटीए की भूमिका पर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि इस बड़े मामले में एनटीए चेयरमैन डॉक्टर प्रदीप जोशी पर कार्यवाही होनी थी, उन्हीं को जांच कमेटी का प्रमुख बना दिया गया। इससे जांच प्रभावित होने और हकीकत सामने नहीं आ पाने के भी आरोप लग रहे हैं। एक आरटीआई से प्राप्त दस्तावेज का हवाला देकर कहा जा रहा है कि डॉ. जोशी का संघ और भाजपा के कर्ता-धर्ताओं से खास संबंध हैं। इन संबंधों के चलते ही डॉ जोशी बड़े पद पाने में सफल रहे हैं। इन आरोपों के बीच आरटीआई से प्राप्त जानकारी अनुसार एनटीए चेयरमैन डॉ. प्रदीप जोशी पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरली जोशी से रिश्ता है, जिसके चलते उन्हें संघ लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) मप्र लोक सेवा आयोग और छत्तीसगढ़ पीएससी के अध्यक्ष का पद मिला। डॉ जोशी छत्तीसगढ़ के पहले 2006 में एमपीपीएससी के अध्यक्ष रहे। इस नियुक्ति को लेकर 2014 में लगाई गई आरटीआई से जानकारी मिली है कि उनकी नियुक्ति के लिए आरएसएस के एक क्षेत्रीय प्रचारक ने सिफारिश की थी।

-डॉ जोशी का मप्र-छग से नाता

यहां सबसे पहले बात करते हैं डॉ प्रदीप जोशी के मध्य प्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर से शुरु हुई। दरअसल डॉ जोशी मई 2000 से 12 जून 2006 तक रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर में प्रबंधन अध्ययन संकाय के प्रोफेसर, प्रमुख और डीन के तौर पर सेवाएं दीं थीं। इसी बीच उन्हें मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग का पहिले सदस्य बाद में अध्यक्ष बना दिया गया था। इसके बाद डॉ जोशी छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष बना दिए गए। यही नहीं डॉ जोशी संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य बनाए गए और देखते ही देखते उन्हें अध्यक्ष बना दिया गया।

एक आरटीआई से प्राप्त जानकारी अनुसार डॉ जोशी एबीवीपी पदाधिकारी रहे हैं, भूतपूर्व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी और मुरली मनोहर जोशी से भी अच्छी संबंध रहे हैं। उन्हें मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष इसलिए बनाया गया था, क्योंकि उनकी सिफारिश आरएसएस के प्रचारक ने लिखित तौर पर की थी। इस प्रकार उन पर संबंधों भुनाने और बड़े फायदे लेने के आरोप भी लगे हैं।

जब डॉ जोशी 2006 में एमपीपीएससी के अध्यक्ष बनाए गए तो उनकी नियुक्ति को लेकर सवाल खड़े किए गए थे। हाईकोर्ट में नियुक्ति को चुनौती दी गई, जिस पर अदालत ने आदेश दिया था कि आगे से आयोग अध्यक्ष की नियुक्ति सीधे सीएम के जरिये न होकर एक कमेटी के जरिये होगी, जिसमें विपक्ष के सदस्य भी शामिल होंगे।

नीट पेपर लीक मामले के तार मध्य प्रदेश से जुड़े तो सभी को एनटीए चेयरमैन डॉक्टर प्रदीप जोशी का पिछला कार्यकाल और रुचि प्रिंटिंग प्रेस से उनका खास जुड़ाव सामने आ गया। पेपर लीक मामले में भोपाल के सिक्योरिटी प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारी सुनील रघुवंशी को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस प्रिंटिंग प्रेस में सीक्रेट पेपर ही छापे जाते थे। इस प्रिंटिंग प्रेस में गोपनीय दस्तावेज के तौर पर अनेक परीक्षाओं के पेपर छापे गए हैं। इसलिए पूर्व की अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने का अंदेशा भी है।

सांसद राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता होंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता होंगे। इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेताओं की बैठक में राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता बनाए जाने का फैसला लिया गया। प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब को कांग्रेस की ओर से पत्र लिखकर इसकी सूचना दे दी गई है। राहुल गांधी को अब कैबिनेट रैंक का दर्जा मिलेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर इंडिया अलायंस की बैठक हुई। जिसमें लगभग सभी पार्टी के नेता मौजूद थे। इसी में नेता प्रतिपक्ष को लेकर चर्चा हुई और फिर राहुल गांधी को इस पद की जिम्मेदारी दिए जाने को लेकर प्रोटेम स्पीकर को पत्र लिखा गया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 18वीं लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता बनाये गए हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर मंगलवार की शाम संसद में विपक्षी गठबंधन के घटक दलों के नेताओं की बैठक के बाद पत्रकारों को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने लोकसभा में राहुल गांधी को सदन में कांग्रेस का नेता नियुक्त किया है और इसकी जानकारी प्रोटेम स्पीकर भतृहरि महताब को दे दी गई है।

गौरतलब है कि राहुल गांधी को पिछले दिनों पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति ने लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने का अनुरोध किया था। कांग्रेस के निर्धारित 55 सीटों से कम सदस्य होने के कारण 16वीं और 17वीं लोकसभा में विपक्ष का नेता का दर्जा नहीं दिया गया था।

लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी ([illegible]) को 240 सीटें मिली हैं। हालांकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ([illegible]) को 292 लोकसभा सीटों के साथ पूर्ण बहुमत मिला है। कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत मिली है। 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सिर्फ 52 सीटों पर ही कब्जा जमा पाई थी। मगर इस बार उसके पास नेता प्रतिपक्ष के लिए पर्याप्त सीटों का आंकड़ा है।

क्या तीस्ता जल बंटवारा संधि पर झूठ बोल रही टीएमसी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्या तीस्ता जल बंटवारा संधि पर ममता सरकार के आरोप निराधार हैं? मोदी सरकार ने तीन उदाहरण सूचीबद्ध किए, जहां बांग्लादेश के साथ तीस्ता जल-बंटवारे पर चर्चा से पहले पश्चिम बंगाल का इनपुट लिया गया था। दरअसल ममता सरकार ने केंद्र की आलोचना करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने 1996 की गंगा जल बंटवारा संधि के नवीनीकरण के लिए बांग्लादेश के साथ बातचीत शुरू करने का निर्णय लेने से पहले राज्य से परामर्श नहीं किया।

केंद्र सरकार के सूत्रों ने बताया कि माह की शुरुआत में बांग्लादेश सरकार के साथ हुई तीस्ता जल-बंटवारे वार्ता के संबंध में ममता सरकार को सूचित किया था। यह बात केंद्र को इसलिए कहनी पड़ी क्योंकि ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तीस्ता जल बंटवारे और फरक्का संधि के संबंध में बांग्लादेश के साथ चर्चा से राज्य सरकार को बाहर करने पर केंद्र द्वारा कड़ी आपत्ति जाहिर की और बांग्लादेश के साथ इस तरह की कोई भी चर्चा नहीं करने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना के बीच संधि सहित विभिन्न मुद्दों पर बातचीत के एक दिन बाद तृणमूल की यह टिप्पणी आई। राज्यसभा में तृणमूल संसदीय दल के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि राज्य संधि का एक पक्ष है, लेकिन उससे परामर्श नहीं किया गया। ओब्रायन ने कहा, राज्य इस संधि का एक पक्ष है। पिछली संधि के तहत हमारा बकाया भी अब तक नहीं चुकाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, गंगा के तल की खुदाई रोक दी गई है। यह बाढ़ और कटाव का मुख्य कारण है। यह बंगाल को बेचने की योजना है।

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि भारत और बांग्लादेश 1996 की गंगा जल संधि के नवीनीकरण के लिए तकनीकी स्तर की वार्ता शुरू करने तथा तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन के लिए एक भारतीय तकनीकी दल शीघ्र ही बांग्लादेश का दौरा करेगा।

राम मंदिर में अब वीआईपी दर्शन पर लगी रोक

अयोध्या (ईएमएस)। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर 500 वर्षों के संघर्ष के बाद बने मंदिर में रामलला के दर्शन में फर्जी तरीके से एंट्री करवाए जाने की भी कई घटनाएं सामने आई हैं। इसको रोकने के लिए ट्रस्ट की तरफ से एक बड़ा फैसला लिया गया है। अब वीआईपी श्रद्धालु रंगमहल बैरियर से दर्शन नहीं कर सकेंगे। पुलिस प्रशासन और ट्रस्ट के बीच हुई बैठक में आज यह निर्णय लिया गया स सिर्फ विशिष्ट पास धारकों को अब इस रास्ते जाने की अनुमति रहेगी स जबकि श्रीरामलला के सामान्य दर्शन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले मंदिर में पुजारियों को दक्षिणा देने, चरणामृत और तिलक लगाने जैसे कई नियमों को भी बदला गया था। विदित हो कि मंदिर निर्माण से पहले रंगमहल बैरियर से ही श्रद्धालुओं को दर्शन कराये जाते थे।

नीट मामले में प्राइमरी लातूर के शिक्षकों की गिरफ्तारी से उठे सवाल

मुंबई (ईएमएस)। नीट मामले में महाराष्ट्र के लातूर के दो प्राइमरी शिक्षकों की गिरफ्तारी से सवाल उठ रहे हैं।

जिला परिषद स्कूल के मुख्याध्यापक जलील पठान और जिला परिषद स्कूल के शिक्षक संजय जाधव पेपर लीक मामले में 2 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर हैं। आरोप है कि दोनों ने नीट परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश फार्म धाराशिव के आईटीआई संस्था से जुड़े इरन्ना और नगलवार को भेजे थे और इरन्ना ने ये फार्म दिल्ली में गंगाधर नाम के शख्स को दिए थे। दोनों आरोपी शिक्षकों के व्हाट्सएप चैट में पैसों के लेन-देन का भी जिक्र है।

लातूर पैटर्न का ही परिणाम है कि लातूर में इस महाविद्यालय के सबसे ज्यादा विद्यार्थी मेरिट लिस्ट में आते हैं। इस बार की नीट परीक्षा में भी इस स्कूल के 14 विद्यार्थियों ने 700 के ऊपर अंक आये हैं।

पोर्श कार दुर्घटना पर बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, किशोर आरोपी को दी जमानत

मुंबई (ईएमएस)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने आरोपी किशोर को पर्यवेक्षण गृह से रिहा करने का आदेश दिया। 19 मई की सुबह शराब के नशे में 17 वर्षीय लड़के ने अपनी पोर्श कार से दो बाइक सवार सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को बुरी तरह कुचल दिया।

हादसे के एक महीने बाद जस्टिस भारती डांगरे और मंजूषा देशपांडे की बेंच ने राहत देकर कहा कि हालांकि हादसा दुर्भाग्यपूर्ण था, लेकिन नाबालिग को ऑब्जर्वेशन होम में नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने किशोर न्याय बोर्ड को किशोर को रिहा करने का आदेश दिया है। चूंकि नाबालिग के माता-पिता और दादा फिलहाल सलाखों के पीछे हैं, इसकारण किशोर की कस्टडी उसकी मौसी को दी गई है।

कारोबारी विशाल अग्रवाल के बेटे किशोर को शुरुआत में किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) ने 300 शब्दों का निबंध लिखने की शर्त के साथ जमानत दी थी। इस निर्णय से जनता में भारी आक्रोश फैल गया। इसके बाद, पुलिस ने समीक्षा का अनुरोध किया, और जेजेबी ने लड़के को एक अवलोकन गृह में भेज दिया। अधिकारी नाबालिग पर वयस्क की तरह मुकदमा चलाने के लिए काम कर रहे हैं।

लोकसभा स्पीकर के पद को लेकर आर-पार...

72 साल में तीसरी बार लोकसभा स्पीकर पद के लिए होगा चुनाव, चुनाव जीतने के लिए 271 वोटों की जरूरत होगी ,ओम बिरला बनाम के सुरेश

- डिप्टी स्पीकर पद नहीं मिलने के कारण इंडिया गठबंधन ने अध्यक्ष के लिए उतारा प्रत्याशी

नई दिल्ली(ईएमएस)। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को लोकसभा स्पीकर को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ गया। एनडीए प्रत्याशी ओम बिरला के खिलाफ इंडिया ब्लॉक ने भी अपना उम्मीदवार कांग्रेस सांसद के सुरेश को उतार दिया है। बुधवार को सुबह 11 बजे स्पीकर पद के लिए वोटिंग होगी। 72 साल में तीसरी बार लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा। लोकसभा में संख्याबल एनडीए के पक्ष में होने के साथ, ओम बिरला लगातार दूसरी बार स्पीकर बनने की रेस में विपक्षी उम्मीदवार के सुरेश से आगे नजर आ रहे हैं। ओम बिरला पहली बार 2014 में कोटा से लोकसभा सांसद बने थे। वह 2019 में दोबारा जीते और उन्हें सर्वसम्मति से 17वीं लोकसभा के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था। वह कोटा से इस बार लगातार तीसरी बार सांसदी का चुनाव जीते हैं।

दरअसल, लोकसभा अध्यक्ष के पद को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए और विपक्ष के इंडिया ब्लॉक के बीच आम सहमति नहीं बन पाई है। संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए ओम बिरला के पक्ष में एनडीए के नेताओं ने 10 सेट में नामांकन दाखिल किया। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और एनडीए के अन्य नेता मौजूद थे। वहीं, विपक्षी की ओर से कांग्रेस सांसद के. सुरेश ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए बिरला के खिलाफ 3 सेट में नामांकन दाखिल किया। लोकसभा में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों को सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के साधारण बहुमत से चुना जाता है। साधारण बहुमत से तात्पर्य सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले 50त्न से अधिक सदस्यों से है। जिस उम्मीदवार को 50 फीसदी से अधिक सांसदों का वोट मिलेगा वह स्पीकर पोस्ट के लिए चुना जाएगा। लोकसभा की 542 सीटों में से 293 सीटें एनडीए के पास हैं। वहीं 542 का आधा 271 होता है। इस तरह भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के पास सदन में बहुमत है और उसे अपनी पसंद का अध्यक्ष चुनने में कोई कठिनाई नहीं होने की संभावना है।

1952, 1976 में हुए हैं चुनाव

72 साल में तीसरी बार स्पीकर को लेकर चुनाव होने जा रहा है। इससे पहले 1952, 1976 में भी स्पीकर को लेकर चुनाव हुआ है। स्वतंत्र भारत में 1952 में पहली बार स्पीकर को लेकर जीवी मालवणकर और शंकर शांताराम के बीच चुनावी मुकाबला हुआ था। उसके बाद 1976 में (आपातकाल के दौरान) भी स्पीकर के लिए चुनाव हुआ था। उस समय बालीग्राम भगत बनाम जगन्नाथ राव के बीच चुनाव था। अब 2024 में तीसरी बार चुनाव होने जा रहा है। अब तक पक्ष और विपक्ष के बीच सहमति से स्पीकर बनता आया है। इससे पहले एनडीए की तरफ से स्पीकर चुनाव के लिए आम सहमति बनाने की कोशिश की गई और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने इंडिया ब्लॉक के नेताओं से बातचीत की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने अलग-अलग नेताओं से मुलाकात की और फोन पर बातचीत की। सूत्रों का कहना था कि स्पीकर के नाम पर विपक्षी दलों के साथ सहमति बनती तो डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष दिया जा सकता है।

सरकार ने आईबी निदेशक तपन कुमार डेका का एक साल और बढ़ाया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत खुफिया ब्यूरो (आईबी) के प्रमुख तपन कुमार डेका का 2025 तक एक साल के लिए सेवा विस्तार बढ़ा दिया है। कार्मिक मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। डेका हिमाचल प्रदेश कैडर के 1988 बैच के आईपीएस के अधिकारी हैं। उन्हें कट्टरपंथ से संबंधित मामलों को संभालने में महारत हासिल है और वह एक बेहतरीन जासूस के तौर पर जाने जाते हैं। कार्मिक मंत्रालय ने जारी आदेश में कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 30 जून 2024 से आगे एक साल के लिए डेका को आईबी के निदेशक के रूप में विस्तार देने को मंजूरी दे दी है।

लव मैरिज के लिए बने कानून, नहीं बना तो करेंगे आंदोलन

हरियाणा की खाप पंचायतों का केंद्र सरकार को दी चेतावनी

चंडीगढ़,(ईएमएस)। हरियाणा के खाप पंचायत ने केंद्र की मोदी सरकार से मांग की है कि लव मैरिज को लेकर एक कानून बनाया जाए और इसमें मां-बाप से सहमति लेने को अनिवार्य किया जाए। इसके अलावा लिव-इन-रिलेशनशिप को खत्म किया जाए। खाप ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार उनकी बात नहीं सुनती है तो वे विरोध प्रदर्शन शुरू कर देंगे। कांडेला, माजरा, नौ गामा, बिनैन, कलवा तापा और थुवा काप ने ये मांगें सरकार के सामने रखी हैं।

खाप का कहना है कि केंद्र सरकार दोनों मामलों को लेकर कानून नहीं बनाती है तो विपक्ष भी लोकसभा में ये मांग उठाए। माजरा खाप के प्रवक्ता ने कहा कि लव मैरेज या फिर कोर्ट मैरेज पर हमें आपत्ति नहीं है लेकिन इसके लिए मां-बाप की इजाजत लेना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब एक पिता अपनी बेटी को पालकर बड़ा करता है और इसके बाद वह लव के चक्कर में भाग जाती है तो बहुत दुख होता है। इसलिए केंद्र सरकार को इसको लेकर कानून बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि शादी की उम्र सीमा को भी कम किया जाना चाहिए। सरकार को लड़कियों की शादी की उम्र घटाकर 16 साल कर देनी चाहिए। माजरा खाप के गुरविंदर सिंह संधू ने कहा कि 24 खाप पंचायतों की मांग है कि लिव इन रिलेशनशिप ने समाज में गंदगी फैला दी है और इसे गैरकानूनी घोषित किया जाना चाहिए। बता दें कि हरियाणा में अकसर ऑनर किलिंग के मामले सामने आते हैं। हाल ही में हांसी में एक प्रेमी जोड़े की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दो महीने पहले ही उन्होंने लव मैरेज की थी।

राहुल बोले-भरोसेमंद नहीं हैं पीएम मोदी, कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं

नई दिल्ली(ईएमएस)। सोमवार से शुरु हुए लोकसभा सत्र में स्पीकर के चुनाव को लेकर सियासी गहमा गहमी चल रही है। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन की तरफ से एक बार फिर ओम बिरला को ही अपना उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, अब विपक्ष डिप्टी स्पीकर के पद को लेकर अड़ गया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का कहना है कि विपक्ष ने साफ बोला है कि राजनाथ सिंह का फोन कॉल आया था। हम एनडीए के लिए स्पीकर की पोस्ट को सपोर्ट करेंगे। लेकिन डिप्टी स्पीकर विपक्ष का होना चाहिए। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि पीएम मोदी कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं। इस बीच लोकसभा स्पीकर के चुनाव के लिए एनडीए के प्रस्तावक का नाम सामने आ गया है। एनडीए की तरफ से वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी को प्रस्तावक बनाया गया है। नामांकन से पहले केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, हिंदुस्तान आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतनराम मांझी, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान और जनता दल यूनाइटेड की तरफ से ललन सिंह, राममोहन नायडू और अनुप्रिया पटेल रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के घर पर पहुंचे हैं। यहां एक अहम बैठक चल रही है।

सत्येंद्र जैन की जमानत पर नौ को फैसला

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली उच्च न्यायालय से ईडी के मामले में 'आप' नेता और पूर्व मंत्री सत्येंद्र कुमार जैन की जमानत याचिका पर नौ जुलाई को फैसला सुनाने को कहा। जस्टिस मनोज मिश्रा और एसवीएन भट्टी की पीठ ने कहा कि जमानत के मामलों को अनावश्यक रूप से टालना ठीक नहीं है। दरअसल, सत्येंद्र जैन ने हाईकोर्ट की ओर से उनकी जमानत याचिका पर छह सप्ताह के स्थगन के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि इसी तरह का एक मामला शीर्ष अदालत के समक्ष लंबित है और इसलिए उनकी याचिका को इसके साथ लगाया जाना चाहिए।

अमरनाथ यात्रा पर मंडराया आतंकी हमले का खतरा

जम्मू (ईएमएस)। 29 जून से शुरु होने जा रहे अमरनाथ यात्रा पर आतंकी हमले का खतरा मंगराने लगा है। इस बात की जानकारी जम्मू-कश्मीर के पुलिस निरीक्षक वीके बिरदी ने दिया है। यात्रा शुरु होने से पहले डीजीपी ने राज्य के सभी बड़े अधिकारियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सतर्क और सक्रिय रहने यात्रा के दौरान किसी भी संभावित खतरे का जवाब देने का निर्देश दिया है।

कुल 52 दिनों तक चलने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा 29 जून को मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले के बालटाल और दक्षिण कश्मीर के पहलगाम के दोहरे मार्गों से शुरू होगी। जम्मू संभाग में इस महीने की शुरुआत में कई आतंकी हमले की घटनाओं के बाद प्रशासन दोगुना सतर्क है।

अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश

पुलिस नियंत्रण कक्ष कश्मीर के सम्मेलन कक्ष में एक बैठक में एसएएनजेवाई-2024 के शांतिपूर्ण संचालन की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा ग्रिड को और मजबूत करने तथा राष्ट्र विरोधी तत्वों (एएनई) एवं आतंकवादी सहयोगियों पर क्रियाशील बुद्धि का इस्तेमाल कर जांच करने पर जोर दिया। आईजीपी ने किसी भी संभावित खतरे के लिए समन्वय और समय पर प्रतिक्रिया के महत्व पर जोर देते हुए सभी अधिकारियों से अपने कर्तव्यों में सतर्क तथा सक्रिय रहने का आग्रह किया।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दी जानकारी

बैठक में मध्य कश्मीर रेंज के डीआइजी, उत्तरी कश्मीर रेंज के डीआइजी, दक्षिण कश्मीर रेंज के डीआइजी, कश्मीर जोन के सभी जिला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), एसएसपी ट्रैफिक सिटी, एसएसपी ट्रैफिक ग्रामीण, एसएसपी सुरक्षा, एसएसपी एपीसीआर, एसपी टेलीकम्युनिकेशन ने भी भाग लिया। शुरुआत में भाग लेने वाले अधिकारियों ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से आईजीपी को अपने संबंधित जिलों की विशिष्ट आवश्यकताओं और अमरनाथ यात्रा-2024 के सुचारू संचालन के लिए की गई सुरक्षा व्यवस्था सहित सुरक्षा योजना की जानकारी दी।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जमीन पर उनकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए एसओपी के आधार पर मॉक ड्रिल आयोजित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को सभी रणनीतिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित करके सभी शिविर स्थलों पर मजबूत सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक यात्रा शिविर में पर्याप्त जनशक्ति सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। बैठक का समापन आईजीपी की ओर से यात्रा के लिए एक सुरक्षित, सुचारू और संरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए पुलिस की क्षमताओं पर विश्वास व्यक्त करने के साथ हुआ जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि तीर्थयात्री अपनी आध्यात्मिक यात्रा बड़े उत्साह तथा मन की शांति के साथ कर सकें।

जन हितैषी

संसद में मोदी सरकार की अग्नि परीक्षा

अब बिना चर्चा पास नहीं होंगे संसद के कानून

तीसरी बार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिर पर कांटों का ताज है। नरेंद्र मोदी 13 साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री बने रहे। 10 साल केंद्र में प्रधानमंत्री रहे। नरेंद्र मोदी की सत्ता का यह 24वां साल है। 23 साल तक मोदी का सत्ता में एकछत्र राज रहा है। 23 साल तक सदन में उनके पास पूर्ण बहुमत था। पहली बार वह अल्पमत की सरकार के प्रधानमंत्री बने हैं। विपक्ष इस समय जोश से भरा हुआ है। भले उसके पास स्पष्ट बहुमत ना हो। लेकिन उसमें इतनी ताकत है, कि वह सरकार से पूरी ताकत से मुकाबला कर सके। सदन के अंदर अब सत्ता पक्ष मनमानी नहीं कर सकेगा। बहुमत के आधार पर कानूनो को हो-हल्ले के बीच पास नहीं करा पाएंगे। कानून पास कराने के पहले सदन के अंदर चर्चा भी करानी होगी। लोकसभा अध्यक्ष के ऊपर भी दबाव होगा, सरकार द्वारा जो भी बिल सदन में पेश किए जा रहे हैं, वह नियम और कानून के तहत पेश हों। उन पर विधिवत चर्चा हो। चर्चा होने के बाद मतदान हो। उसी के बाद बिलों की स्वीकृति प्रदान की जाए। पिछले 10 वर्षों में कई कानून नियम विरुद्ध सदन में पेश किए गए। सदन से उन्हें अध्यक्ष ने पास भी करा दिया। मनी बिल के रूप में ऐसे बहुत सारे नियम और कानून बनाए गए। जो मनी बिल के रूप में सदन के अंदर स्वीकृत ही नहीं हो सकते थे। पिछले 10 साल में संसद सदस्यों के अधिकार भी सदन के अंदर कम हुए हैं। सरकार के मुकाबले सदन के अधिकार सरकार के पास चले गए। बहुत सारे कानून बिना किसी चर्चा के ध्वनि मत से पारित करा दिए गए। तीन अपराध कानून भी उसी श्रेणी में आते हैं। विपक्षी सांसदों को निष्कासित कर सदन में कुछ मिनटों के अंदर ध्वनि मत से कानूनों को पास करा दिया गया। इससे अध्यक्ष पद की साख भी पहले की तुलना में काफी कमजोर हुई है। अब विपक्ष के पास सदन के अंदर ताकत है। अध्यक्ष भी सदन के अंदर विपक्ष की ताकत को अनदेखा नहीं कर सकता है। सदन के अंदर जो भी बिल पेश किए जाएंगे, वह नियम के अंतर्गत सरकार को अध्यक्ष की अनुमति से पेश करने होंगे। ऐसे बिलों पर संसद के अंदर बहस भी होगी। सभी सांसदों को बोलने का मौका मिलेगा। मोदी सरकार ने 10 साल में जो कानून पारित कराए हैं। उनको लेकर विपक्ष समय-समय पर अपनी नाराजी जताता रहा है। संसदीय परंपराओं का पालन नहीं किया गया। मजदूरों से संबंधित श्रम कानून, न्यायिक नियुक्ति आयोग कानून, 3 अपराध कानून, दिल्ली सरकार के अधिकारों पर कटौती, चुनाव आयुक्त नियुक्ति कानून और मनी बिल के तहत जो कानून पास कराए जा रहे थे। संसद में विपक्ष की जो अनदेखी सरकार द्वारा की जा रही थी। अब उन सारे मामले में टकराव बनना तय है। संशोधन या अन्य माध्यमों से विपक्ष चर्चा करने की हर संभव कोशिश करेगी। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में टकराव बढ़ेगा। 18वीं लोकसभा के प्रथम सत्र में विपक्ष पेपर लीक, अग्नि वीर, मणिपुर, महंगाई और बेरोजगारी को लेकर सरकार को तगड़ी चुनौती देता हुआ दिख रहा है। सरकार ने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद को लेकर भी विपक्ष के साथ सहमति बनाने का कोई प्रयास सरकार द्वारा नहीं किया गया। जिसके कारण स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार अध्यक्ष पद के लिए लोकसभा में चुनाव होगा। जिस तरह की स्थितियां लोकसभा में बनती दिख रही हैं, उसमें एक ज्योतिषी जो इन दिनों देश एवं दुनिया में बड़े चर्चित हैं, उनका नाम है- राजीव नारायण, जिन्होंने भविष्यवाणी की है। भाजपा के खिलाफ जन असंतोष बढ़ेगा। विपक्षी दलों का विरोध भी बढ़ेगा। भाजपा के अंदर ही बगावत होगी। भाजपा के लिए अपनी सत्ता बनाए रखना बड़ा मुश्किल होगा। उसी तरह की स्थिति सदन के अंदर बनती हुई दिख रही है। तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, सहयोगी दलों और भाजपा के ही वरिष्ठ नेताओं से जिस तरह की चुनौती मिल रही है, उससे मोदी के लिए सत्ता में बने रहना, दिन प्रतिदिन कठिन होता जा रहा है। उड़ीसा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार जरूर बन गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवीन पटनायक के साथ जो विश्वासघात का खेला किया है, उसके कारण नवीन पटनायक भी अब उनके खिलाफ खड़े हो गए हैं। उड़ीसा का असर अन्य क्षेत्रीय राजनीतिक दलों पर भी पड़ रहा है। रही सही कसर अयोध्या और राम मंदिर पूरी कर रहे हैं। मुख्य सहयोगी दलों को सरकार में महत्वपूर्ण विभाग नहीं दिए गए। अध्यक्ष पद भी उन्हें नहीं दिया गया। जिसके कारण सहयोगी दलों से भी सरकार को चुनौती मिल रही है। अयोध्या के रेलवे स्टेशन की एक दीवार टूट गई। अयोध्या का मुख्य मार्ग अटल पथ ढह गया। राम मंदिर की छत से पानी रिसने लगा। गर्भ ग्रह में पानी भर गया। तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए कहीं से भी अच्छे समाचार नहीं आ रहे हैं। तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने अस्तित्व को बचाए रखने की लड़ाई लड़ना पड़ रही है। देखना यह है, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैसे अपनी सत्ता को बचाए रखते हैं।

उप-मुख्यमंत्री पद- गैर संवैधानिक मसले पर 'संवैधानिक' बहस ....!

इन दिनों हमारी सरकार संसद और न्यायपालिका में एक गैर संवैधानिक मसले पर संवैधानिक बहस जारी है, और वह मसला है राज्यों की सरकारों में 'उप-मुख्यमंत्री' का पद। वैसे केन्द्र में भी जगजीवन राम तथा चौधरी चरण सिंह जैसे राजनेता उप-मुख्यमंत्री रह चुके है, किंतु संविधान विशेषज्ञों का यह कथन है कि हमारे संविधान में 'उप-प्रधानमंत्री' या 'उप-मुख्यमंत्री' जैसे किसी भी पद का कोई प्रावधान नही है। संविधान के अनुच्छेद-163 और 164 में मुख्यमंत्री और मंत्री मंडल से जुड़े प्रावधान अवश्य है, किंतु इनमें भी 'उप' का कोई प्रावधान या उल्लेख नही है, इसके बावजूद संविधान की शपथ लेकर देश पर राज कर रही केन्द्र व राज्य सरकारें उप-प्रधानमंत्री या उप-मुख्यमंत्री के पद राजनीतिक संतुष्टी हुए कायम किए हुए है, आज भी देश के चौदह राज्यों में 'उप-मुख्यमंत्री' तैनात है, किसी-किसी राज्य में तो एक नही, बल्कि दो-दो उप-मुख्यमंत्री कार्यरत है।

वैसे संविधान की इन धाराओं को तोड़ने की सबसे पहले शुरूआत बिहार ने प्रथम विधानसभा चुनावों के बाद की थी जहां 1957 तक अनुग्रह नारायण सिन्हा उप-मुख्यमंत्री रहे थे। उनके बाद 1967 में कर्पूरी ठाकुर बिहार के दूसरे उप-मुख्यमंत्री रहे थे। उत्तरप्रदेश में 1967 में जनसंघ के रामप्रकाश गुप्ता उप-मुख्यमंत्री बने थे, मध्यप्रदेश में जनसंघ के नेता वीरेन्द्र कुमार सखलेचा उप-मुख्यमंत्री बने थे। राज्यों में उप-मुख्यमंत्री के चलने के साथ ही केन्द्र सरकार में 'उप-प्रधानमंत्री' पद की शुरूआत हुई, आजादी के बाद केन्द्र में बनी पहली अंतरिम सरकार में सरदार वल्लभ भाई पटेल उप-प्रधानमंत्री बनाए गए थे, उनके बाद मोरारजी भाई देसाई, जगजीवन राम, चौधरी चरणसिंह, देवीलाल और लालकृष्ण आडवानी उप-प्रधानमंत्री बनाए गए। यही नही 1989 में व्ही.पी. सिंह की सरकार में जब देवीलाल को उप-प्रधानमंत्री बनाया गया तो सुप्रीम कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि उन्होंने संविधान के अनुरूप शपथ नही ली थी, किंतु सुप्रीम कोर्ट ने देवीलाल की नियुक्ति को बरकरार रखा। जहां यह मामला सुप्रीम कोर्ट गया तो उसमें भी उप-मुख्यमंत्री व उप-प्रधानमंत्री की नियुक्तियों को संवैधानिक ही माना।

अब यदि हम राज्यों में नियुक्त उप-मुख्यमंत्री के पदों की बात करें तो भारत में सबसे पहले इस चलन की शुरूआत भाजपा ने मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में दो उप-मुख्यमंत्रियों की नियुक्तियां करके की। अब यही फार्मुला ओड़िसा सरकार बनाने में भी दोहराया गया है। ओड़िसा के मोहन मांझी की नवगठित सरकार में के.व्ही. सिंहदेव प्रवती परिंदा को उप-मुख्यमंत्री बनाया गया। बिहार में नितीश कुमर के साथ आने के बाद जब एनडीए की सरकार बनी तो इसमें भी दो उप-मुख्यमंत्री बनाए गए थे। यही नहीं महाराष्ट्रक्ष में भी दो उप-मुख्यमंत्री है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद-163(1) कहता है कि राज्यपाल को सलाह देने के लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक मंत्रीमंडल होगा संविधान में यह प्रावधान है कि मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल करेगें और मुख्यमंत्री की सलाह पर मंत्रीमंडल की नियुक्ति भी राज्यपाल ही करेगें, यद्यपि इन दोनों अनुच्छेदों 163 तथा 164 में उप-मुख्यमंत्री पद का कोई जिक्र नही है।

अब आज के युग में केन्द्र तथा राज्यों में ये 'डिप्टी' के पद राजनीतिक संतुलन बनाए रखने के काम आ रहे है। यहां यह एक सामयिक विचारणीय तथ्य यह भी है कि जब प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को तत्कालीन राजनीतिक संतुलन बनाए रखने के लिए उप-प्रधानमंत्री के पद कायम करने की जरूरत पड़ी तो आज की राजनीति तो उस समय की राजनीति से काफी दूषित है, इसलिए इस दौर में भी उसी 'नेहरू हथकंड़े' को अपनाने को आज के प्रधानमंत्रियों को मजबूर होना पड़ रहा है।

कुल मिलाकर आजादी के बाद से ही राजनीति कभी भी 'जनसेवा' से नहीं जुड़ पाई, हमेशा निजी राजनीतिक स्वार्थ से ही जुड़ी रही, जिसका भयंकर विभत्स रूप आज हमें देखने को मिल रहा है। (लेखक- ओमप्रकाश मेहता/ ईएमएस)

लोकसभा के सत्र नई उम्मीदों को पंख लगाये

अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू चुका है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। तीन जुलाई तक दस दिन के लिये चलने वाले इस सत्र में दो दिन नए सांसदों को शपथ दिलाई जायेगी। बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा, जबकि गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। लोकसभा सत्र में विपक्ष इस बार अपनी बढ़ी हुई शक्ति का एहसास कराते हुए आक्रामक होने से नहीं चूकेगा। यही वजह है विपक्ष ने सत्र से पहले परीक्षा में गड़बड़ी, अग्निवीर व प्रोटेम स्पीकर जैसे मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख दिखाने की रणनीति बनाई है। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिशें होती हुई दिख रही है। वैसे भी वह पहले ही सत्ता पक्ष के गठबंधन के सहयोगियों को लोकसभा अध्यक्ष पद की मांग के लिए उकसाने में लगा हुआ है एवं वहीं स्वयं के लिये लोकसभा के उपाध्यक्ष पद की मांग कर रहा है। विपक्ष ने प्रोटेम अध्यक्ष की नियुक्ति के अलावा नीट-यूजी पेपर लीक व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के स्थगित होने के मामले में सरकार को घेरने एवं संसदीय कार्रवाई को बाधित करने की रणनीति बनाई है, जिससे पहले दिन ही हंगामे के परिदृश्य देखने को मिल रहे हैं। बेहतर संख्या बल के चलते विपक्ष का उत्साहित होना स्वाभाविक है और उसके नेताओं की ओर से विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में भी कुछ अनुचित नहीं, लेकिन इस तैयारी के नाम पर संसद में हंगामा और शोरशराबा करके ऐसी परिस्थितियां नहीं पैदा की जानी चाहिए जिससे संसद चलने ही न पाए। एक लंबे समय से यह देखने में आ रहा है कि विभिन्न मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही के नाम पर विपक्ष संसद में हंगामा और अव्यवस्था पैदा करना उचित समझता आ रहा है, उसके तेवर इस बार ज्यादा ही उग्र एवं उत्तेजिक दिख रहे हैं, जो संसदीय परम्परा के लिये दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद चाहे जिस दल के हो, उनसे शालीन एवं सभ्य व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। लेकिन सांसद अपने दूषित एवं दुर्जन व्यवहार से संसद को शर्मसार करते हैं तो यह लोकतंत्र के सर्वोच्च मन्दिर की गरिमा के प्रतिकूल है।

संसद राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था है। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है। यदि वहां भी शालीनता, मर्यादा एवं सभ्यता का भंग होता है तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के गौरव का आहत होना निश्चित है। आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बावजूद भारत की संसद यदि सभ्य एवं शालीन दिखाई न दे तो ये स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण ही कही जायेगी। एक बार फिर ऐसी ही त्रासद स्थितियों से रू-ब-रू होने की स्थितियां बनना एक चिन्तनीय प्रश्न है। संसद की सार्थकता केवल इसमें नहीं है कि वहां विभिन्न मुद्दे उठाए जाएं बल्कि इसमें है कि उन पर गंभीर एवं शालीन तरीके से चर्चा होकर राष्ट्रहित में प्रभावी निर्णय लिये जाये। दुर्भाग्य से संसद में राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर ऐसी कोई चर्चा कठिनाई से ही होती है जिससे देश को कोई दिशा मिल सके और समस्याओं के समाधान खोजे जा सके। उचित यह होगा कि संसद में दोनों ही पक्ष संसदीय कार्यवाही के जरिये एक उदाहरण पेश करें, नयी संभावनाओं एवं सौहार्द का वातावरण बनाते हुए नई उम्मीदों एवं संकल्पों के सत्र के रूप में इस सत्र एवं आगे के सत्रों का संचालन होने दें।

अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र को लेकर उत्सुकता एवं कुतूहल का वातावरण पक्ष-विपक्ष के नवनिर्वाचित सांसदों में ही नहीं, बल्कि आम जनता में भी है। गठबंधन की स्थितियों के कारण यह लोकसभा पिछली लोकसभा से भिन्न होगी। इस बार विपक्ष का संख्या बल कहीं अधिक है और सत्तापक्ष गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहा है। यद्यपि यह गठबंधन सरकार अतीत की गठबंधन सरकारों से भिन्न है, क्योंकि उसका नेतृत्व करने वाला दल यानी भाजपा बहुमत से कुछ ही पीछे है। इसके बावजूद संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिल सकता है। इस टकराव के आसार भी उभर आए हैं, क्योंकि विपक्ष को प्रोटेम स्पीकर के नाम पर आपत्ति है। विपक्षी इंडिया गठबंधन की मानसिकता संसदीय सत्रों में देश-विकास की योजनाओं पर निर्णय में सहभागिता से अधिक सत्ता पक्ष को घेरने एवं सरकार के कामकाज को बाधिक करने की ही अधिक दिखाई दे रही है। यह निश्चित है कि सार्वजनिक जीवन में सभी एक विचारधारा, एक शैली व एक स्वभाव के व्यक्ति नहीं होते। अतः आवश्यकता है दायित्व के प्रति ईमानदारी के साथ-साथ आपसी तालमेल व एक-दूसरे के प्रति गहरी समझ एवं सौहार्द भावना की। जनता के विश्वास पर खरे उतरते हुए नये भारत-सशक्त भारत को निर्मित करने की। राजनीतिक दल द्वंद्व, एक दूसरे की आलोचना एवं विरोध की स्थितियां चुनाव के मैदान तक सीमित करें, उन्हें संसद तक न लाये। संसद में तो सभी दल मिलकर राष्ट्र-निर्माण का काम करें। एक सांसद के साथ दूसरा सांसद जुड़े तो लगे मानो स्वेटर की डिजाईन में कोई रंग डाला हो। सेवा एवं जनप्रतिनिधित्व का क्षेत्र ''मोजॉयक'' है, जहां हर रंग, हर दाना विविधता में एकता का प्रतिक्षण बोध करवाता है। अगर हम सांसदों में आदर्श स्थापित करने के लिए उसकी जुझारू चेतना को विकसित कर सकें तो निश्चय ही आदर्शविहिन असंतुष्टों की पंक्ति को छोटा कर सकेंगे और ऐसा करके ही संसद को गरिमापूर्ण मंच बना पायेंगे।

नरेन्द्र मोदी तीसरी बार सत्ता में लौटे हैं। मोदी का लोकसभा सदस्य एवं प्रधानमंत्री के रूप में यह तीसरा कार्यकाल है। उन्होंने वाराणसी सीट बरकरार रखी, जिसे वे 2014 से जीतते आ रहे हैं। पहली बार नए संसद भवन में शपथग्रहण हुआ। भारतीय संसदीय इतिहास में ऐसा दूसरी बार है कि जनता ने किसी सरकार को लगातार तीसरी बार शासन करने का अवसर दिया है। ये मौका 60 साल बाद आया है। अगर जनता ने ऐसा फैसला किया है तो उसने सरकार की नियत पर मुहर लगाई है। उसकी नीतियों पर मुहर लगाई है। जनता के फैसले का स्वागत होना चाहिए, लेकिन ऐसा न होना संसद के साथ-साथ भारत के लिये परेशानी का कारण है। आज भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने के साथ अपनी स्वतंत्र पहचान बनाने की ओर गतिशील है। भारत की बात दुनिया बड़ी ध्यान से सुनती है, वही दुश्मन देश भारत पर तिरछी नजर डालने से पहले सौ बार सोचते हैं, यह भारत की बड़ी ताकत का द्योतक है, जिसे पक्ष एवं विपक्ष मिलकर सहेजे और नये आयाम उद्घाटित करें। इन विषयों पर गंभीर चिन्तन-मंथन की संसद के पटल पर अपेक्षा है। जबकि निश्चित ही छोटी-छोटी बातों पर अभद्र एवं अशालीन शब्दों का व्यवहार, हो-हल्ला, छींटाकशी, हंगामा और बहिर्गमन आदि घटनाओं का संसद के पटल पर होना दुखद, त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण है। इससे संसद की गरिमा एवं मर्यादा को गहरा आघात लगता है। यह सिलसिला बंद होना चाहिए। जहां विपक्ष का यह दायित्व है कि वह प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं और अन्य ज्वलंत मुद्दों पर सरकार से जवाब तलब करे वहीं सत्तापक्ष की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए तैयार रहे। यदि ऐसा नहीं होता तो यह निराशाजनक ही होगा।

राष्ट्रीय चरित्र का दिन-प्रतिदिन नैतिक ह्रास हो रहा है। हर गलत-सही तरीके से हम सब कुछ पा लेना चाहते हैं। अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए कर्त्तव्य को गौण कर देते हैं। इस तरह से जन्मे हर स्तर के अशालीन एवं असभ्य व्यवहार से राष्ट्रीय जीवन में एक विकृति पैदा होती है, संसद को ही दूषित कर दिया जाता है, अठारहवीं लोकसभा के सभी सत्र इस त्रासदी से मुक्त हो, यह अपेक्षित है। विपक्षी सांसदों की यह कैसी त्रासद मानसिकता है कि वे सब चाहते हैं कि हम आलोचना करें पर काम नहीं करें। हम गलतियां निकालें पर दायित्व स्वीकार नहीं करें। जरूरत इस बात की भी है कि संसद को शुद्ध सांसें मिले, संसदीय जीवन जीने का शालीन, मर्यादित एवं सभ्य तरीका मिले। (लेखक- ललित गर्ग/ ईएमएस)

ये बाजपेयी के नहीं मोदी के नेतृत्व की सरकार है

अठारहवीं लोकसभा में यद्यपि सरकार को पहले ही दिन विपक्ष के तेवरों का सामना करना पड़ा है ,लेकिन विपक्ष को भी याद रखना चाहिए कि 2024 में भाजपा के नेतृत्व में तीसरी बार गठबंधन की सरकार बनी है और इसकी अगुवाई प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी कर रहे हैं । ये सरकार अटलबिहारी बाजपेयी की सरकार नहीं है जिसे आसानी से अपदस्थ किया जा सके।

नरेंद्र दामोदर दास मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार बनी गठबंधन की सरकार में हालाँकि भाजपा की ताकत 2014 और 2019 जैसी नहीं है ,लेकिन भाजपा की हैसियत अभी भी मरे हुए हाथी जितनी तो है ही ,यानि कम से कम सवा लाख की। इसलिए विपक्ष ये सपने देखना छोड़ दे कि इस सरकार को फूंक मार कर उड़ाया या गिराया जा सकता है। वैसे भी 2024 में देश की जनता ने भाजपा और विपक्ष को स्पष्ट जनादेश नहीं दिया है । भाजपा की ताकत कम कर उसे बैशाखनंदन बना दिया है वही विपक्ष को ताकत देकर ये संकेत दिया है कि यदि उन्हें सत्ता तक पहुंचना है तो एकता बनाये रखते हुए अगले चुनाव तक काम करना पड़ेगा ,हुलफुलाहट में विपक्ष यदि कोई कदम उठता है तो वो देश के लिए भारी पड़ सकता है।

नयी संसद के पहले ही दिन विपक्ष ने संविधान की प्रतियां लेकर जो जुलूस निकला उससे नयी सरकार भयभीत कदाचित नहीं हुई है । प्रधानमंत्री ने संसद में प्रवेश से पहले जिस तरीके से आपातकाल का पुण्य स्मरण किया है उससे जाहिर है कि न उनके सिर से कांग्रेस का भूत अभी उतरा है और न उनका देश को कांग्रेस विहीन करने का लक्ष्य ही बदला है। मोदी जी लंगड़ी-लूली सरकार के जरिये भी अपने पुराने लक्ष्य को हासिल करने के लिए वो सब करेंगे जो उन्होंने अपनी पिछली सरकारों में किया था। विपक्ष लाख संविधान की प्रतियां लहराए वो नयी सरकार के बढ़ते हुए कदमों को शायद नहीं रोक पायेगा। विपक्ष की ताकत का अंदाजा लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव में ही हो जाएगा।

नए जनादेश में सब कुछ स्पष्ट है। विपक्ष को विपक्ष की भूमिका में तब तक रहना है जब तक कि नए आम चुनाव नहीं हो जाते । कायदे से चुनाव पांच साल बाद होना चाहिए लेकिन मौजूदा सूरतेहाल में ये चुनाव कभी भी हो सकते हैं। मेरा अनुभव कहता है कि देश में नए चुनाव समय से पहले करने का फैसला विपक्ष नहीं, बल्कि मौजूदा सरकार ही करेगी। मौजूदा सरकार अगले कुछ ही महीनों में अपनी खोई हुई ताकत वापस हासिल करने के लिए शीघ्र ही आपरेशन लोटस की तर्ज पर कोई नया आपरेशन शुरू कर सकती है। नयी खिचड़ी सरकार के सामने कल भी कांग्रेस और विपक्ष निशाने पर था और आज भी है। सरकार सदन में अपने समर्थकों की मौजूदा संख्या बढ़ाने के लिए वो सब नैतिक -अनैतिक कर सकती है जो अटल बिहारी बाजपेयी नहीं कर पाए थे। अटल जी ने सत्ता बचने के लिए चिमटे का सहारा लेने से इंकार कर दिया था ,लेकिन मोदी जी चिमटा क्या प्लास तक का इस्तेमाल करने से हिचकने वाले नहीं है।

चूंकि नयी संसद का श्री गणेश कहें या विस्मिल्लाह कहें ,कड़वाहट के साथ हो रहा है ,इसलिए मुझे लगता है कि अभी देश में अदावत की राजनीती का युग समाप्त होने वाला नहीं है। आने वाले दिनों में भी ईडी और सीबीआई विपक्ष के खिलाफ उसी तरह इस्तेमाल की जाएगी जिस तरह पहले की गयी है। नयी सरकार ने भले ही संविधान की शपथ लेकर देश सेवा का वादा किया है किन्तु संविधान के दायरे में रहकर भी वो विपक्ष को नुक्सान करने से हिचकेगी नहीं। दरसल अभी मधु का छत्ता भाजपा के पास है । विपक्ष के पास जो छत्ता है उसका मधु निकाला जा चुका है या उसमें मधु भरने में अभी समय लगेगा। ऐसे में विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी एकता को बनाये रखने की है। सत्ता की चाशनी में विपक्ष की कोई भी मखखी छलांग लगा सकती है।

देश के नए विपक्ष को नहीं भूलना चाहिए कि देश की तमाम संवैधानिक संस्थाओं पर अभी भी संघ के प्रचारक काबिज है। यहां तक कि न्यायपालिका भी इससे अछूती नहीं है। अनेक मामलों में आये अदालती फैसलों पर आप संघ प्रचारकों की सोच की छाप परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से पड़ती देख सकते हैं। आज भी पुरानी ईडी है जो अधीनस्थ न्यायलय से जमानत मिलने के बाद भी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल से बाहर नहीं आने देने के लिए ऊपर की अदालत में खड़ी हुई है। आज भी झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को किसी भी अदालत ने जमानत नहीं दी है। जाहिर है कि देश में जितनी भी संस्थाएं न्याय न्याय का फैसला करतीं हैं वे अभी भी संघ और भाजपा केप्रभाव में हैं। इन्हें विपक्ष हटा नहीं सकता हाँ, इनकी मुश्कें बाँधने के लिए दबाब बना सकता है।

देश और दुनिया ने अतीत में देखा है कि पुरानी सरकार ने किस तरह से संसद को ध्वनिमत से चलाया था और विपक्ष को रत्ती भर भाव नहीं दिया था। कल को आज भी दोहराया जा सकता है। संसद को आज भी ध्वनिमत से चलने की जुर्रत नयी सरकार कर सकती है। 1 जुलाई से देश में लागू होने वाले नए क़ानून उसी पुरानी संसद की देन हैं जिसमें विपक्ष नहीं था। आज यदि विपक्ष इन कानूनों को लागू करवाने से रोकने में कामयाब हो जाये तो माना जा सकता हैकि भविष्य में वो नई सरकार को बे-पटरी होने से रोक सकता है। अन्यथा कुछ बदलने वाला नहीं है इस देश में।

नयी सरकार को लेकर मुझे तो कोई नई उम्मीद नहीं है ,विपक्ष को हो तो हो। मुझे लगता है कि नयी सरकार पुराने ढर्रे पर ही चलने वाली है । यदि ये नई सरकार सचमुच गठबंधन की सरकार होती तो इसका कोई कॉमन मिनिमम प्रोग्राम होता। इस सरकार का एजेंडा वो ही है जो भाजपा और संघ का है। जेडीयू और टीडीपी का एकमात्र एजेंडा अपने-अपने राज्य में अपनी-अपनी पार्टी की सरकारों को बनाये रखने का है । इन दोनों बैशखियाँ प्रदान करने वाले दल भाजपा को उसके एजेंडे पर काम करने से रोकने की हैसियत नहीं रखते । ये दोनों दल विपक्ष के साथ खड़े होने का साहस भी आनन-फानन में जुटा नहीं सकते ,क्योंकि ये दोनों जानते हैं कि मोदी जी की फितरत क्या है ? वे केवल कांग्रेस की ही नहीं बल्कि टीडीपी और जेडीयू की भी सात पुश्तों की खबर रखते हैं। किसी ने उन्हें जरा भी ब्लैकमेल करने का प्रयास किया वे अपनी पर आने से नहीं हिचकेंगे। वे तभी तक नई सरकार को चलाएंगे जब तक कि भाजपा दोबारा से शक्ति हासिल नहीं कर लेती। मोदी जी को विपक्ष और देश की नहीं अपनी भाजपा की चिंता है।

बहरहाल देश के सामने तेल और तेल की धार देखने के अलावा कोई दूसरा चारा नहीं है । नयी सरकार नए बजट में एक बार फिर मतदाताओं के सामने मुफ्त के पांच किलो अनाज जैसी और नई रेवड़ियां उछाल सकती है। तब तक सभी को संसद के तमाशे पर नजर रखना चाहिये । इस समय मनोरंजन का सबसे बढ़िया सीधा प्रसारण संसद से ही सम्भव है। अभी मदारी भी पुराण है और जमूरे भी। डमरू की धुन भी पुरानी ही है। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

विंबलडन में नजर नहीं आयेंगे मरे, पेरिस ओलंपिक में भी खेलना संदिग्ध

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन के टेनिस स्टार एंडी मरे इस बार विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में नजर नहीं आयेंगे। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी मरे की पीठ की सर्जरी हुई है। वहीं विंबलडन अगले माह शुरु हो रहा है। विंबलडन के अलावा उनका ओलंपिक में खेलना भी संदिग्ध है। एटीपी ने कहा कि दो बार के विंबलडन चैंपियन मरे को स्पाइनल सिस्ट को हटाने के लिए सर्जरी करवाने के बाद आगामी विंबलडन से बाहर कर दिया गया है। एटीपी ने अपने संदेश में कहा कि अभी वह आराम करें और फिट हो जाएं हालांकि उनकी कमी खेलेगी। वहीं इससे पहले, उन्होंने बुधवार को जॉर्डन थॉम्पसन के खिलाफ अपने दूसरे दौर के मैच के पहले सेट में 4-1 से पिछड़ने के दौरान इसी चोट के कारण क्वींस क्लब चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया था।

फ्रेंच ओपन में खेलने से भी मरे की पीठ का दर्द बढ़ा था। वह पहले भी अपने करियर में चोटों से परेशान रहे हैं। साल 2019 में उन्होंने हिप सर्जरी कराकर वापसी की थी। उन्हें प्रमुख आयोजनों के नॉकआउट चरणों से आगे बढ़ना मुश्किल लगता है और हाल ही में उन्हें मार्च में मियामी ओपन में में भी घुटने में दर्द की परेशानी हुई थी।

शब्द पहेली - 8049

बाएँ से दाएँ

1. दर्द से निकली कराह-2
2. ओट, चिलमन-3
4. जरा, थोड़ा-2
6. कपड़े की दीवार-3
7. निर्माण-3
8. झगड़ा, अनबन-3
9. गहन-3
10. लाज, लज्जा-3
11. रनिवास-3
13. 500 कागजों की गड्डी-2
14. विश्राम, राहत-3
15. थोड़ा-2
16. एक कीमती लकड़ी-3
17. कैनाल, उपनदी-3
18. बूंद-3
19. मृत्युंजय-3
20. मेघ, बदरा-3
21. सम्राट, राजा-3
23. संपत्ति-2
24. विष, गरल-3
25. औषधि-2

ऊपर से नीचे

1. अग्नि, अनल-2
2. आश्रय, शरण-2
3. लीन, मगन-2
4. कूड़ा-कर्कट-3
5. इंकार-2
6. लेखनी, पेन-3
7. करुणा, दया-3
8. कर्म, भाग्य-3
9. उष्ण-3
10. भद्र, कुलीन-3
11. अवैध, नाजायज-3
12. युद्ध, रण-3
14. आश्रय-3
15. जलजला-3
16. ठंडा-3
17. नमस्कार, प्रणाम-3
18. कद्र, मान-3
19. जो कभी वृद्ध नो हो-3
20. चील, ईगल-2
21. पथ, मार्ग-2
22. इस पर रोटी सेंकते हैं-2

शब्द पहेली -8048 का हल

र	ब	■	ह	सी	न	■	त	य
न	हा	ना	■	मा	र	ना	■	म
■	र	च	ना	■	क	पा	स	■
सा	■	ना	का	त	■	क	र	ना
व	ध	■	म	ह	ते	■	ल	य
न	र	म	■	त	स	ला	■	क
■	ती	स	रा	■	ना	य	क	■
त	■	का	य	र	■	क	हा	नी
ह	त्या	■	त	म	स	■	र	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल-समाचार

ओलंपिक ड्रेसेज घुड़सवारी स्पर्धा में पहली बार भाग लेगा कोई भारतीय घुड़सवार

नई दिल्ली (ईएमएस)। आगामी पेरिस ओलंपिक में अनुष अग्रवाल ड्रेसेज घुड़सवारी स्पर्धा में भारत की ओर से भाग लेने वाले पहले घुड़सवार होंगे। अनुष एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता घुड़सवार हैं। भारतीय घुडसवारी महासंघ (ईएफआई) ने कहा है कि अनुष ने ओलंपिक चयन के लिए हुए मुकाबले में श्रुति वोरा को पीछे छोड़ा। अनुष ने हांगझोउ एशियाई खेल 2022 में टीम ड्रेसेज स्पर्धा में स्वर्ण और व्यक्तिगत ड्रेसेज स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

अनुष ओलंपिक की ड्रेसेज स्पर्धा में पहली बार उतरने वाले भारतीय घुड़सवार होंगे। इससे पहले भारतीय घुड़सवारों ने इवेंटिंग स्पर्धा में ही भाग लिया है। अनुष ने क्वालीफिकेशन चक्र के दौरान प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई और न्यूनतम पात्रता आवश्यकता (एमईआर) को चार बार पूरा किया जबकि अनुभवी श्रुति ने इस महीने दो बार एमईआर हासिल किया। अनुष का औसत स्कोर 67.695 फीसदी जबकि श्रुति का उनसे कम 67.163 फीसदी रहा।

वार्नर का टी20 अंतरराष्ट्रीय कैरियर हुआ खत्म

किंगसटाउन (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर का शानदार करियर समाप्त हो गया है। बांग्लादेश पर अफगानिस्तान की जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम टी20 विश्वकप से बाहर हो गयी ओर इसी के साथ ही वार्नर का करियर भी समाप्त हो गया। वार्नर ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि टी20 विश्वकप के बाद वह संन्यास ले लेंगे। वार्नर ने अपने 15 साल के लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में कई रिकार्ड बनाये थे हालांकि उनके नाम विवाद भी जुड़े रहे। 37 वर्षीय वार्नर ने अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच ग्रॉस आइलेट में भारत के खिलाफ खेला जिसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम को हार का सामना करना पड़ा।

बदकिस्मती से वार्नर को अपने अंतिम मैच में गॉर्ड ऑफ ऑनर नहीं मिल सका और ना ही दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। अपने अंतिम मुकाबले में वह छह गेंद में छह रन ही बना पाये और अर्शदीप सिंह की गेंद पर सूर्यकुमार यादव के हाथों कैच हो गये। वह सिर झुकाए मैदान से बाहर चले गए।

वार्नर ने 110 मैच में 33.43 के औसत और 142.47 के स्ट्राइक रेट से 3,277 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया के सर्वोच्च स्कोरर और दुनिया के सातवें सबसे सफल बल्लेबाज के रूप में टी20 प्रारूप से संन्यास लिया। उन्होंने सबसे छोटे प्रारूप में एक शतक और 28 अर्द्धशतक बनाए।वार्नर ने गत वर्ष भारत में हुए एकदिवसीय विश्वकप के बाद एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उनके नाम 161 एकदिवसीय मुकाबलों में 22 शतक और 33 अर्धशतक की मदद से 45.30 की औसत से 6,932 रन हैं। उन्होंने 2011 से 2024 के बीच 112 टेस्ट में 44.59 की औसत से 26 शतक और 37 अर्द्धशतक के साथ 8,786 रन बनाए हैं। वार्नर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 49 शतक और 19,000 के करीब रन बनाए। उनका विवादों से भी नाता रहा और दक्षिण अफ्रीकी दौरे में उनपर गेंद से छेड़खानी का आरोप लगा था। इस कारण वह एक साल के लिए निलंबित भी रहे थे।

टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंचते ही अफगानिस्तान में शुरु हुआ जश्न

सचिन , मूडी सहित कई दिगगजों ने दी बधाई

काबुल (ईएमएस) । अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही देशभर में जश्न शुरु हो गया। बांग्लादेश पर टीम की जीत के साथ ही लोग सड़कों पर उमड़ पड़े। अफगान टीम ने बारिश की बाधा के बीच बांग्लादेश को सुपर आठ मुकाबले में हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया।

नवीनुल हक ने जैसे ही बांग्लादेश के मुस्ताफिजूर रहमान को पगबाधा आउट किया , क्रिकेटप्रेमी जश्न मनाने लगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जश्न मनाने शहरों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाली है। इसके साथ ही कहा ,'' देखो कि सफलता के हमारे लिये क्या मायने हैं।'' एक और पोस्टर में हजारों प्रशंसकों को सड़कों पर अपने घरों की बालकनी में और दुकानों की छतों पर जश्न मनाते देखा गया। इसके साथ ही कहा कि उन्हें पता है कि टी20 विश्व कप में जीत का जश्न कैसे मनाना है।''

अफगानिस्तान को इस सफलत पर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने बधाई देते हुए सोशल मीडिया में लिखा ,'' अफगानिस्तान का सेमीफाइनल में पहुंचना अतुलनीय है। न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया जैसी टीमों को हराया। यह जीत आपकी प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत की देन है। आपकी प्रगति पर गर्व है।'' वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर टॉम मूडी ने टीम को बधाई देते हुए कहा ,'' क्या शानदार मैच था। अफगानिस्तान टीम को बधाई।''

पारी की शुरुआत करते हुए फिर असफल रहे विराट

ग्रोस आइलेट (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 विश्वकप सुपर आठ के मुकाबले में भी पारी की शुरुआत करते हुए असफल रहे हैं। विराट इस मैच में पारी की शुरुआत करते अपना खाता भी नहीं खोल पाये और जोश हेज़लवुड का शिकार बने। विराट अबतक इस टूर्नामेंट में पारी की शुरुआत करते हुए 6 मैचों में केवल 66 रन बना पाये हैं। इस प्रकार देखा जाये तो पारी की शुरुआत उन्हें रास नहीं आ रही है। वह अपने करियर में अधिकतर समय तीसरें नंबर पर उतरते आये हैं। विश्वकप में एक प्रयोग के तौर पर उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरा गया पर ये सफल नहीं रहा।

विराट ग्रुप मैचों में दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये थे और आयरलैंड के खिलाफ 1, पाकिस्तान के खिलाफ 4, अमेरिका के खिलाफ 0 पर ही पेवेलियन लौट गये थे। इसके बाद शुरु हुए सुपर आठ में उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ 24 वह बांग्लादेश के खिलाफ 37 रन ही बना बनाकर अपने फार्म में आने के संकते दिये थे पर इसके बाद वह एक बार फिर असफल रहे हैं। विश्वक कप में ये दूसरे बार है जब वह खाता नहीं खोल पाये हैं। इसके अलावा अब तक के टी20 अंतराष्ट्रीय की बात करें तो ये सातवीं बार है जब विराट खाता तक नहीं खोल पाये हैं।

इस सूची में बांग्लादेश के सौम्य सरकार और आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग के नाम 13-13 बार शून्य पर आउट होने का रिकार्ड है। वहीं रोहित शर्मा 12 बार शून्य पर आउट हुए हैं।

अर्शदीप टी20 विश्वकप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने

ग्रोस आइलेट (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 विश्वकप के सुपर आठ मुकाबले में डेविड वॉर्नर का विकेट लेते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही अर्शदीप के नाम 13 विकेट हो गए और वह विश्वकप में इतने अधिक विकेट लेने वाले पहले गेंदबाजी बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड भारत के ही आरपी सिंह के नाम पर था। आरपी ने साल 2007 विश्व कप में खेलते हुए भारतीय टीम के लिए 12 विकेट लिए थे।। अब 17 साल बार आर पी का रिकार्ड अर्शदीप ने तोड़ा है। अर्शदीप ने साल 2022 के टी20 विश्व कप में 10 विकेट निकाले थे। इस प्रकार अर्शदीप के नाम पर विश्व कप में अब तक कुल 23 विकेट हो गई हैं। वहीं टी20 विश्वकप में सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में आर. अश्विन तीसरे नंबर पर हैं, अश्विन ने साल 2014 में कुल 11 विकेट लिए थे। अर्शदीप के लिए यह साल बेहद शानदार रहा है। उन्होंने इससे पहले आईपीएल में भी पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए 14 मैचों में 19 विकेट लिए थे।

रोहित सबसे अधिक मैच जीतने के मामले में बाबर की बराबरी पर आये

ग्रोस आइलेट (सेंट लूसिया)। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 विश्वकप के सुपर आठ में जीत के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। रोहित अब कप्तान के तौर पर टी20 में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले खिलाड़ी बने गये हैं और इस प्रकार उन्होंने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम की बराबरी कर ली है। रोहिन की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 प्रारूप में 60 मैचों में 48 जीत दर्ज की है जबकि पाक कप्तान बाबर के नाम भी 85 मैचों में 48 जीत का रिकार्ड है। रोहित ने इस प्रकार सबसे तेजी से 60 मैचों में 48 जीत हासिल की है जबकि आजम को इसके लिए 15 मैच अधिक खेलने पड़े। वहीं युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा ने टी20 20 प्रारूप में 45 मैच जीते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खतो सेंट लुसिया के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर 8 के तहत खेले गए मुकाबले में रोहित ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 92 रन बनाये।

21वां शाला प्रवेशोत्सव महोत्सव आज से, 3 दिन में करीब 32.33 लाख बच्चे करेंगे स्कूलों में प्रवेश

- मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल आज वनवासी जिले डांग के सीमावर्ती गांव बिलिआंबा में बच्चों का स्कूल प्रवेश कराएंगे

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात में कन्या केळवणी महोत्सव (बालिका शिक्षा महोत्सव) के माध्यम से बेटियों की पढ़ाई को प्रोत्साहन देने और प्राथमिक शिक्षा को गति देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में पिछले दो दशकों से शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में इस महोत्सव की 21वीं शृंखला बुधवार, 26 जून से शुक्रवार, 28 जून के दौरान आयोजित की जाएगी। 'उत्सव... आनंदमय शिक्षा का' थीम के साथ आयोजित होने वाले इस शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के पहले दिन बुधवार, 26 जून को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल वनवासी जिले डांग के सीमावर्ती गांव बिलिआंबा के स्कूल में बच्चों का स्कूल नामांकन कराएंगे। मुख्यमंत्री बिलिआंबा प्राथमिक स्कूल में 24 बच्चों को कक्षा-1 में, 21 बच्चों को बाल वाटिका में और 7 बच्चों को आंगनवाड़ी में प्रवेश दिलाएंगे। कार्यक्रम के दूसरे दिन 27 जून को मुख्मयंत्री छोटा उदेपुर तहसील में और अंतिम दिन 28 जून को सुरेन्द्रनगर जिले की थान तहसील में शाला प्रवेशोत्सव में शामिल होंगे। राज्य में दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित गांवों तक शिक्षा की ज्योति प्रज्वलित करने वाले इस शिक्षा सेवा यज्ञ में विधानसभा अध्यक्ष सहित राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के अधिकारियों सहित वर्ग-1 के कुल 367 उच्च अधिकारी विभिन्न स्थानों पर उपस्थित रहकर बच्चों का स्कूल प्रवेश कराएंगे।

जानकारी अनुसार, विधानसभा अध्यक्ष के अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी बनासकांठा जिले में, वित्त मंत्री कनुभाई देसाई वलसाड जिले में, स्वास्थ्य एवं उच्च शिक्षा मंत्री ऋषिकेशभाई पटेल मेहसाणा जिले में, कृषि एवं ग्राम विकास मंत्री राघवजीभाई पटेल राजकोट जिले में, उद्योग तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री बलवंतसिंह राजपूत पाटण जिले के सिद्धपुर और सरस्वती तथा बनासकांठा जिले के पालनपुर में, जल संसाधन और जलापूर्ति मंत्री कुंवरजीभाई बावलिया भावनगर जिले में, पर्यटन मंत्री मूळुभाई बेरा जामनगर जिले में, आदिजाति मंत्री कुबेरभाई डिंडोर महीसागर जिले में तथा महिला और बाल कल्याण मंत्री श्रीमती भानूबेन बाबरिया नर्मदा जिले में आयोजित होने वाले शाला प्रवेशोत्सव में सहभागी होंगी। वहीं, गृह एवं खेल राज्य मंत्री हर्षभाई संघवी सूरत में, सहकारिता एवं लघु उद्योग राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा खेड़ा जिले में, मत्स्योद्योग एवं पशुपालन राज्य मंत्री परषोत्तमभाई सोलंकी भावनगर जिले में, पंचायत और कृषि राज्य मंत्री बचुभाई खाबड़ दाहोद जिले में, वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल सूरत और नवसारी में, शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुलभाई पानसेरिया जूनागढ़ में और आदिजाति विकास राज्य मंत्री कुंवरजीभाई हळपति तापी जिले में शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे।

इसके अलावा, गुजरात विधानसभा के मुख्य सचेतकगण बालकृष्ण खंडेराव शुक्ल वडोदरा में, जगदीश मकवाणा सुरेन्द्रनगर में, कौशिकभाई वेकरिया अमरेली में, रमणभाई सोलंकी आणंद में और विजयभाई पेटल डांग में बच्चों का स्कूल प्रवेश कराएंगे। राज्य भर में इस तीन दिवसीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के दौरान कुल 32.33 लाख बच्चों का स्कूल नामांकन किया जाएगा। इसके अंतर्गत बाल वाटिका में प्रवेश के पात्र 11.73 लाख, कक्षा-1 में प्रवेश के पात्र 3.62 लाख, कक्षा-8 से 9 में प्रवेश के पात्र 10.35 लाख और कक्षा-10 से 11 में प्रवेश के पात्र 6.61 लाख विद्यार्थियों का स्कूल में दाखिला किया जाएगा।

भारी बारिश की संभावना के चलते राज्य के 7 जिलों में एनडीआरएफ की टीमें तैनात

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के कई जिलों में अच्छी बारिश हो रही हैं भारी बारिश से पैदा होनेवाली किसी भी स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ मदद के लिए हमेशा तैयार रहती हैं मौसम विभाग के राज्य में भारी से अतिभारी बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए वडोदरा के जरोद स्थित एनडीआरएफ हेड क्वार्टर से 7 टीमें विभिन्न जिलों में रवाना कर दी गई हैं भारी बारिश की संभावना के चलते राज्य के 4 जिलों में टीम रवाना की गई हैं एनडीआरएफ की टीमों को गिर सोमनाथ, द्वारका, भावनगर और नर्मदा में भेजा गया है। मौसम विभाग की ओर से इन जिलों भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई हैं इससे पहले टीम को वलसाड, राजकोट और कच्छ भेजा गया थर्ा भारी बारिश के पूर्वानुमान के बाद सिस्टम को अलर्ट कर दिया गया है। जिसे देखते हुए वडोदरा के जरोद से एनडीआरएफ की 7 टीमें रवाना की गई हैं।

बिहार, महाराष्ट्र ही नहीं गोधरा से भी जुड़ रहे पेपर लीक के तार...

गोधरा, २५ जून ।

नीट-यूजी परीक्षा में अनियमितताओं की जांच के लिए सीबीआई टीम अब गुजरात के शहर गोधरा पहुंची है। सीबीआई ने रविवार को अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ आईपीसी की धारा १२०-बी (आपराधिक साजिश) और ४२० (धोखाधड़ी) के तहत एक नई प्राथमिकी दर्ज की। सीबीआई की टीम ने वडोदरा के स्थानीय पुलिस अधिकारियों से भी मुलाकात की है। बता दें कि पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन जारी है।

नीट-यूजी मेडिकल प्रवेश परीक्षा में हुई कथित गड़बड़ी के बीच सीबीआई की एक टीम जांच के लिए सोमवार को गुजरात के गोधरा शहर पहुंची। दरअसल, गोधरा पुलिस ने ८ मई को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया था। इन लोगों पर आरोप है कि उन्होंने २७ कैंडिडेट्स से १०-१० लाख रुपये लेकर नीट-यूजी परीक्षा पास कराने में मदद करने की कोशिश की थी।

राज्य में प्राथमिक शिक्षा में छात्राओं की स्कूल ड्रॉपआउट दर केवल 1.31 फीसदी

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात की अधिक से अधिक बेटियां शिक्षा हासिल करें और देश के विकास में अपना सार्थक योगदान दें, इसके लिए राज्य सरकार प्रतिवर्ष कन्या केलवणी रथयात्रा कार्यक्रम का आयोजन करती है। इस वर्ष भी मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य के शिक्षा विभाग की ओर से शाला प्रवेशोत्सव और कन्या केलवणी रथयात्रा कार्यक्रम की 21वीं कड़ी का आयोजन किया गया है। शाला प्रवेशोत्सव और कन्या केलवणी रथयात्रा के माध्यम से महिला साक्षरता की दर में सुधार हो रहा है, साथ ही प्राथमिक शिक्षा में लड़कियों की ड्रॉपआउट दर में भी कमी आई है। प्राथमिक शिक्षा में (कक्षा 1 से 5) छात्राओं की ड्रॉपआउट दर जो वर्ष 2001-02 में 20.53 फीसदी थी, वह वर्ष 2022-23 में घटकर 1.31 फीसदी रह गई है। राज्य सरकार ने कन्या शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कन्या केलवणी रथयात्रा के अलावा विद्यालक्ष्मी बॉन्ड योजना, व्हाली दीकरी योजना, सरस्वती साधना योजना और मुख्यमंत्री कन्या केलवणी निधि योजना जैसी शैक्षणिक पहलों और योजनाओं को लागू किया है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं को भी राज्य में सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया है। राज्य सरकार द्वारा प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा तक बेटियों को विभिन्न आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे राज्य में लड़कियों के लिए शिक्षा की राह सुगम बन गई है। राज्य सरकार द्वारा पिछले दो दशकों से गुजरात में प्राथमिक शिक्षा को गतिशील बनाने के लिए गुणात्मक शिक्षा, 100 फीसदी नामांकन और 100 फीसदी स्थायीकरण के तीन उद्देश्यों के साथ शिक्षा क्षेत्र में परिवर्तन की दिशा में ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके अलावा, राज्य में महिला साक्षरता की दर बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं।

व्हाली दीकरी योजना के तहत 2 लाख से अधिक बेटियों को मिली शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता : सरकार ने इस बात की भी फिक्र की है कि राज्य की बेटियां प्राथमिक स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक, पढ़-लिखकर आगे बढ़े। बेटियों को अच्छी शिक्षा मुहैया कराने तथा उनकी स्कूल ड्रॉपआउट की दर में कमी लाने के लिए राज्य सरकार ने व्हाली दीकरी योजना लागू की है। इस योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा बेटी के 18 वर्ष की होने तक चरणबद्ध तरीके से 1,10,000 रुपए की सहायता दी जाती है। इस योजना की शुरुआत से वर्ष 2024 तक 2,37,012 बेटियों का पंजीकरण किया गया है। लाभार्थी बेटियों को इस योजना का लाभ अगले वर्ष 2025-26 से मिलने लगेगा। इसके अलावा, राज्य सरकार ने राज्य में कन्या शिक्षा का अनुपात बढ़ाने, कन्या शिक्षा को बढ़ावा देने और स्कूलों में बेटियों का 100 फीसदी नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विद्यालक्ष्मी बॉन्ड योजना भी लागू की है। इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के लिए 2,84,885 छात्राओं को बॉन्ड देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

गुजरात में चल सकती हैं तेज हवाएं और हो सकती है भारी बारिश, रेड अलर्ट

अगले दो दिन तक मछुआरों को समुद्र में ना जाने की चेतावनी

अहमदाबाद,(ईएमएस)। मानसून देश के कई राज्यों में दस्तक दे चुका है। कहीं कहीं प्री मानसून की बारिश हो रही है। वहीं दक्षिण-पश्चिम मानसून इस साल समय पर तटीय गुजरात के दक्षिणी हिस्सों पर पहुंच गया था लेकिन कई दिनों से मानसून नवसारी से आगे नहीं बढ़ पाया। मानसून के आगे बढ़ते हुए उत्तरी सीमा वेरावल, भरूच, राजपीपला, छोटा उदयपुर और वहां से मध्य प्रदेश तक पहुंच गया है, लेकिन प्रेदश का अधिकांश हिस्सा अभी भी मानसून की दस्तक से अछूता है। आमतौर पर मानसून 20 जून को अहमदाबाद, 25 को राजकोट और 30 जून तक कच्छ पहुंच जाता है, लेकिन इस बार मानसून में देरी हो रही है।

इस बार 11 जून को गुजरात में मानसून की एंट्री हुई थी, उसके बाद से ही इसकी रफ्तार धीमी हो गई। अब गुजरात में मानसून के आने से पहले प्री-मॉनसून बारिश देखी जा रही है। साउथ गुजरात में साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से गुजरात के कई शहरों में भारी बारीश की चेतावनी जारी की गई है साथ ही मौसम विभाग ने कहा है कि समुद्री इलाक्रों में 35 किलोमीटर प्रति की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। अगले दो दिन मछुआरों को समुद्र में ना जाने की चेतावनी दी गई। आज सौराष्ट्र और गुजरात में कई स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। साबरकांठा, बनासकांठा, मेहसाणा, दाहोद, पाटन, खेड़ा, गांधीनगर, अहमदाबाद, वडोदरा, भावनगर, महुवा, अमरेली, जूनागढ़, सोमनाथ और वेरावल में भारी बारिश का खतरा है। इस दौरान कच्छ की खाड़ी के तटीय क्षेत्रों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी।

मौसम विभाग ने 25 जून को गुजरात के बनासकांठा, साबरकांठा, नर्मदा, डांग, नवसारी, वलसाड, तापी में भारी बारिश का अनुमान व्यक्त किया है। 26 को गुजरात के पंचमहाल, वडोदरा, छोटाउदेपुर, गीर सोमनाथ, अमरेली में बारिश का अनुमान लगाया है। 27 जून को नवसारी, वलसाड, डांग, तापी, दमन, दादरा और नगर हवेली में बारीश का अनुमान जताया है। वहीं 28 जून को भरूच, नवसारी, वलसाड, दमन, दादरा और नगर हवेली में बारीश हो सकती है।

जीएसआरटीसी के ड्राइवर को युवती से अश्लील हरकतें करना पड़ा महंगा, सस्पैंड किया गया

कच्छ (ईएमएस) गुजरात राज्य पथ परिवहन निगम (जीएस आरटीसी) के एक ड्राइवर को बेटी की उम्र की युवती के साथ बस डिपो में अश्लील हरकतें करना महंगा पड़ गयर्ा ड्राइवर और युवती का वीडियो वायरल होने के बाद जीएसआरटीसी ने दोनों के खिलाफ कार्यवाही की हैं ड्राइवर को सस्पैंड करने के साथ ही उसके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं जबकि युवती की छुट्टी कर दी गई हैं यह घटना कच्छ के भुज बस डिपो की हैं भुज के जीएसआरटीसी में बतौर बस ड्राइवर कार्यरत बीएन जाडेजा का एक शर्मसार करनेवाला वीडियो सामने आया हैं वीडियो में बीएम जाडेजा जीएसआरटीसी में एप्रेन्टिश करनेवाली एक युवती के साथ अश्लील हरकतें कर रहा हैं चौंकानेवाली बात यह है कि वीडियो बस डिपो का ही है, जिसमें ड्राइवर बेटी की उम्र की युवती के साथ खुलेआम अश्लील हरकतें करता नजर आ रहा हैं सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद कच्छ के विभागीय निदेशक वायके पटेल ने ड्राइवर को सस्पैंड करते हुए उसके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं साथ ही युवती की भी छुट्टी कर दी हैं

साबरमती आश्रम के पूर्व सचिव अमृत दादा का निधन हुआ

अहमदाबाद, २५ जून ।

अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम के पूर्व सचिव अमृत मोदी का ८९ वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे १९५५ से साबरमती आश्रम में रहते थे। उन्हें अमृत दादा के नाम से भी जाना जाता था। उनका अंतिम संस्कार गांधी आश्रम से सटे वाडज श्मशान में किया गया। वे सर्वोत्कृष्ट गांधीवादी के रूप में माने जाते थे। ५० साल से अधिक समय तक साबरमती गांधी आश्रम के कार्यवाहक रहे।

साबरमती आश्रम संरक्षण एवं स्मारक ट्रस्ट के पूर्व सचिव अमृत मोदी का आज मंगलवार सुबह अहमदाबाद में निधन हो गया। सादगीपूर्ण और समृद्ध जीवन जीने के बाद ९१ वर्ष की उम्र में शांतिपूर्वक निधन हुआ। उन्हें अमृत दादा के नाम से भी जाना जाता था। सुबह तीन बजे शनिप में उनके बेटे वसंतभाई के निवास पर नींद में यह हुआ।

अमृत मोदी मेहसाणा जिले के सादरा गांव के निवासी थे। उन्होंने एक प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक के रूप में काम किया। फिर गुजरात के राजस्व विभाग में कर्मचारी के रूप में काम किया। बाद में वे विनोबा भावे के भूदान आंदोलन में शामिल हो गए। मोदी कांग्रेस सेवा दल से भी जुड़े रहे।

वे १९७४ में साबरमती आश्रम संरक्षण एवं स्मारक ट्रस्ट द्वारा प्रबंधित आश्रम में शामिल हुए और १९८० में इसके सचिव नियुक्तकिए गए। वे १९५५ से साबरमती आश्रम में रहते थे। ५० साल से अधिक समय तक साबरमती गांधी आश्रम के कार्यवाहक रहे। वे सर्वोत्कृष्ट गांधीवादी के रूप में माने जाते थे। गांधीवादी विचारों की खुशबू को पूरी दुनिया में फैलाने में उनका महान योगदान था।

यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पावागढ़ में रोप वे सेवा रोकी गई

पंचमहल (ईएमएस) राज्य में बरसाती माहौल और तेज हवा के चलते पावागढ़ में रोप वे सेवा को फिलहाल रोक दिया गया हैं तेज हवा के साथ भारी बारिश होने से यात्रियों को किसी प्रकार का नुकसान ना हो इसे ध्यान में रखते हुए रोप वे सेवा को स्थगित करने का फैसला किया गया हैं बारिश बंद होने के बाद रोप वे सेवा पुनः बहाल की जाएगर्ी दरअसल मौसम विभाग ने राज्य में भारी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया हैं राज्य के कई जिलों में तेज हवा के साथ भारी बारिश हुई हैं पंचमहल जिले के कालोल स्थित पावागढ़ पर्वत पर भी बरसाती माहौल बना हुआ हैं सुबह से गरज के साथ पावागढ़ में मूशलाधार बारिश हो रही हैं तेज हवा और बारिश से यात्रियों को किसी प्रकार का नुकसान ना हो इसके लिए फिलहाल रोप वे सेवा को स्थगित कर दिया गया हैं बारिश बंद होने पर रोप वे सेवा फिर बहाल की जाएगर्ी फिलहाल रोप वे सेवा बंद कर देने से महाकाली माता के दर्शन करने पावागढ़ आनेवाले श्रद्धालुओं को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगर्ा

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा 7 कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से किया गया सम्मानित

वडोदरा,25जून

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र ने पश्चिम रेलवे के सात कर्मचारियों को सुरक्षित ट्रेन परिचालन में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए प्रधान कार्यालय,चर्चगेट में सम्मानित किया। इन कर्मचारियों को अप्रैल तथा मई, 2024 के दौरान डयूटी में उनकी सतर्कता तथा अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान और परिणामस्वरूप सुरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित करने के लिए सम्मानित किया गया। इन 07 कर्मचारियों में से 02 मुंबई सेंट्रल मंडल से, 02 वडोदरा मंडल से जबकि अहमदाबाद, रतलाम और भावनगर मंडलों से प्रत्येक मंडल से एक कर्मचारी शामिल हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार श्री मिश्र ने सम्मानित किए गए कर्मचारियों की सतर्कता की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे सभी कर्मचारियों के लिए अनुकरणीय आदर्श हैं। सम्मानित किए गए कर्मचारियों ने संरक्षा के विभिन्न क्षेत्रों जैसे रेल एवं ट्रैक फ्रैक्चर का पता लगाना, अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए आपातकालीन ब्रेक लगाना, कोचों में पाए जाने वाले धुएं को बुझाना, ब्रेक बाइंडिंग, लटकती वस्तुओं का पता लगाना आदि जैसे संरक्षा से संबंधित कार्यों को करते हुए ट्रेनों का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने में उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई।

14 वर्षीय किशोरी प्रेमी के साथ पहुंच गई जम्मू, पुलिस ने 21 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के जुहापुरा में रहनेवाली 14 वर्षीय लड़की कुछ पहले अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई थर्ी परिवार की शिकायत के आधार पर वेजलपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दर्ी पुलिस ने एक सप्ताह के भीतर किशोरी समेत उसके प्रेमी को जम्मू पकड़ लियर्ा पुलिस ने किशोरी के 21 वर्षीय प्रेमी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के जुहापुर क्षेत्र में रहनेवाली 14 वर्षीय किशोरी ईद के दिन 21 वर्षी अपने प्रेमी एजाज असगर लीलगर के साथ फरार हो गई थर्ी अजीज के साथ किशोरी दिल्ली होते हुए जम्मू पहुंच गईं किशोरी के लापता होने पर उसके परिवार ने वेजलपुर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दर्ी जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर और दोनों को जम्मू से पकड़ लियर्ा पुलिस ने एजाज असगर लीलगर को गिरफ्तार उसके खिलाफ पोक्सो के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की हैं पूछताछ में पता चला कि किशोरी के निकट एजाज का मामा रहता हैं मामा के आवाजाही के दौरान एजाज और किशोरी के बीच परिचय हुआ थर्ा जिसके बाद ईद पर मौका मिलते ही दोनों फरार हो गए थर्े

एमडी ड्रग्स के साथ मध्य प्रदेश का शख्स गिरफ्तार, 5.30 लाख का नशीला पदार्थ जब्त

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के नारोल क्षेत्र से पुलिस ने मध्य प्रदेश के एक शख्स को रु. 5.30 लाख कीमत के एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार कर लियर्ा गिरफ्तार शख्स रतलाम से ड्रग्स लाता था और उसे छोटी-छोटी पुडिया बनाकर अहमदाबाद में बेचता होने का खुलासा हुआ हैं जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद एसओजी पुलिस ने शहर के नारोल सर्कल से गजन उर्फ शालूखान नामक शख्स को गिरफ्तार किया हैं पुलिस ने आरोपी के पास से रु. 5.30 लाख कीमत का 53 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद किया हैं गजन उर्फ शालूखान मध्य प्रदेश के रतलाम का निवासी हैं जांच में पता चला कि गजन रतलाम से अबरार खान नामक शख्स से एमडी ड्रग्स लाता था

राजकोट मंडल में चल रहे डबल ट्रैक कार्य के दौरान रिशेडयूल की गयी ट्रेनों में परिवर्तन

राजकोट मंडल में स्थित राजकोट-खंडेरी-पड़धरी सेक्शन में चल रहे डबल ट्रैक कार्य के दौरान जो ब्लॉक लिया जाएगा उसके समय में परिवर्तन किया गया है जिसके चलते पूर्व में घोषित रिशेडयूल ट्रेनों में परिवर्तन किया गया है। विवरण निम्नानुसार हैः

रिशेडयूल की गयी ट्रेनेंःट्रेन नं 16333 वेरावल-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल एक्सप्रेस को 27.06.2024 को वेरावल से 5 घंटा 30 मिनट देरी से यानि 12.20 बजे चलने के लिए रिशेडयूल किया गया है। ट्रेन नं 11463 वेरावल-जबलपुर एक्सप्रेस को 27.06.2024 को वेरावल से 2 घंटा 30 मिनट देरी से यानि 12.35 बजे चलने के लिए रिशेडयूल किया गया है। ट्रेन नं 19218 वेरावल-बांद्रा सौराष्ट्र जनता एक्सप्रेस को 27.06.2024 को वेरावल से 1 घंटा 40 मिनट देरी से यानि 13.40 बजे चलने के लिए रिशेडयूल किया गया है। ट्रेन नं 11464 जबलपुर-वेरावल एक्सप्रेस को 26.06.2024 को जबलपुर से 5 घंटा 15 मिनट देरी से यानि 19.00 बजे चलने के लिए रिशेडयूल किया गया है।

रिशेडयूल घोषित की गयी ट्रेनें जो अब अपने निर्धारित समय पर चलेंगीः 26.06.2024 को वेरावल से चलने वाली ट्रेन नं 11463 वेरावल-जबलपुर एक्सप्रेस, 26.06.2024 को वेरावल से चलने वाली ट्रेन नं 19218 वेरावल-बांद्रा सौराष्ट्र जनता एक्सप्रेस, 25.06.2024 को इन्दौर से चलने वाली ट्रेन नं 19320 इन्दौर-वेरावल महामना एक्सप्रेस और 25.06.2024 को जबलपुर से चलने वाली ट्रेन नं 11464 जबलपुर-वेरावल एक्सप्रेस जिसे पहले रिशेडयूल घोषित किया गया था यह सभी ट्रेनें अब अपने निर्धारित समय पर चलेंगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबंधित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए .enquiry .indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

भाजपा नहीं जागी तो राजकोट अग्निकांड की आग पूरे राज्य में उसे झुलसाएगी : परेश धानाणी

राजकोट (ईएमएस) गुजरात कांग्रेस के नेता परेश धानाणी ने टीआरपी गेमिंग जोन अग्निकांड में मारे गए लोगों को श्रद्धाजंलि देने के बाद कहा कि भाजपा अब भी नहीं जागी तो राजकोट अग्निकांड की आग उसे पूरे राज्य में झुलसा देगर्ी बिता दें कि राजकोट के टीआरपी गेमिंग जोन अग्निकांड को आज एक महीना पूरा हो गया हैं आज से ठीक एक महीने पहले 25 मई 2024 को शहर के कालावाड रोड स्थित टीआरपी गेमिंग जोन में लगी आग 27 लोगों को निगल गई थर्ी घटना की आज मासिक तिथि पर गुजरात कांग्रेस ने मृतकों को श्रद्धाजंलि देने और पीड़ित परिजनों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से राजकोट बंद का आह्वान किया था, जिसे शहरभर में भरपूर समर्थन मिला हैं इस दौरान शहर के लोगों में अग्निकांड को लेकर जबर्दस्त आक्रोश दिखर्ा बंद को देखते हुए बाजार समेत महत्वपूर्ण स्थलों पर बड़ी संख्या में पुलिस जवानों को तैनात कर दिया गयर्ा इस मौके पर कांग्रेस नेता परेश धानाणी ने कहा कि राजकोट के व्यापारियों ने स्वैच्छिक रूप से बंद रख मृतकों को श्रद्धाजंलि दी हैं भाजपा को आडे हाथ लेते हुए परेश धानाणी ने कहा कि राजकोट के लोगों ने भाजपा के खिलाफ आंखें तारेर ली हैं आगर आबा भार्ी भाजपा नार्ही जागी तार्ो गेमिंग जोन कांडर्ी आज भाजपा को पूरे राज्य मार्े झुलसाएगर्ी उन्होंने आरोप लगाया कि अग्निकांड की जांच के लिए गठित एसआईटी भाजपा को बचाने के लिए बनाई गई एक समिति हैं गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख और राज्यसभ सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने अग्निकांड के पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग करते हुए भाजपा सरकार पर कड़े प्रहार किर्ए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल राजकोट महानगर पालिका के अधिकारियों को गिरफ्तार कर बड़े लोगों को बचाने का प्रयास कर रही हैं गुजरात प्रदेश कांग्रेस द्वारा आहूत राजकोट बंद को काफी हद तक सफलता मिली हैं कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं ने राजकोट के अलग अलग इलाकों में जाकर बाजार और स्कूलों को बंद करवार्ए राजकोट बंद को शहर के व्यापारियों ने स्वैच्छिक रूप से समर्थन दिया और अपना कामकाज बंद रखर्ा शहर के कालावड रोड पर अग्निकांड को लेकर विरोध कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ता और पुलिस के बीच घर्षण हुअर्ा हिरासत में लिए जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर सो गईर् पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ता समेत अग्निकांड के पीड़ित परिजनों को हिरासत में ले लियर्ा कांग्रेस ने आरोप लगाया कि पुलिस भाजपा के इशारे पर काम कर रही हैं

टाटा मोटर्स ने वाणिज्यिक वाहनों की आसान फाइनेंसिंग के लिये बजाज फाइनेंस के साथ भागीदारी की

मुंबई, 25 जून, 2024: भारत की सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन निर्माता टाटा मोटर्स ने देश के सबसे बड़े वित्तीअय सेवा समूहों में से एक बजाज फिनसर्व लि. की कंपनी बजाज फाइनेंस लि. के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताहक्षर किये हैं। बजाज फाइनेंस वाणिज्यिक वाहनों के पूरे पोर्टफोलियो में फाइनेंसिंग समाधानों की पेशकश करेगी। ग्राहकों को कंपनी की विस्तृजत पहुँच, प्रतिस्पोर्द्धी ब्याफज दरों, फ्लेक्सीश लोन और डिजिटल तरीके से सक्षम लोन प्रोसेसिंग का फायदा मिलेगा।

इस भागीदारी पर अपनी बात रखते हुए, टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हींकल्स में ट्रक्सश के वाइस प्रेसिडेंट एवं बिजनेस हेड श्री राजेश कौल ने कहा, ''हम बजाज फाइनेंस के साथ भागीदारी करके बहुत खुश हैं। यह कंपनी ग्राहकों की खुशी के लिये बेहतरीन समाधान प्रदान करने की हमारे जैसी सोच रखती है। हमें विश्वोस है कि वाणिज्यिक वाहनों की फाइनेंसिंग में उनका नया उपक्रम उन्हेंम परिवहन के क्षेत्र में मौजूद असीम संभावनाओं का लाभ उठाने की अनुमति देगा। इस भागीदारी से देशभर में उद्यमियों को फायदा होगा। ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में बजाज फाइनेंस के विशाल नेटवर्क के साथ, ग्राहकों को उनकी आवश्यिकताओं के अनुसार फाइनेंसिंग समाधानों तक आसान पहुंच मिलेगी। हम अपने ग्राहकों को अधिक सुविधा प्रदान करने के लिए पूरी तरह तत्पंर हैं।''

डीपीएस भोपल में नशीली दवाओं के प्रदूषण के खिलाफ जागरूकता सत्र आयोजित किया गया

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर दिल्ली पब्लिक स्कूल भोपल में जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें 11वीं कक्षा के छात्रों को नशीली दवाओं के सेवन के खतरों और स्वस्थ जीवन जीने के महत्व के बारे में समझाया गया। 100 से अधिक विद्यार्थियों ने 'जीवन को हाँ कहें, नशीले पदार्थों को ना' पर शपथ ली।

सहायक आयकर आयुक्त उमेश पाठक और एनसीबी इंस्पेक्टर अनूप कुमार गुप्ता ने नशीली दवाओं के हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी दी और कुछ वास्तविक जीवन के मामले भी साझा किए।

उन्होंने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों और वास्तविक दुनिया के प्रभावों और कानूनी परिणामों पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों से सतर्क एवं स्वस्थ रहने तथा एक-दूसरे की लगातार मदद करने की अपील की।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हर साल 26 जून को पड़ता है।

फेडरल बैंक ने यूपीआई-लिंक्ड रुपे वेव क्रेडिट कार्ड का अनावरण किया, आसान दो-क्लिक के माध्यम से लेनदेन को बनाया गया आसान

अहमदाबाद : फेडरल बैंक ने नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के साथ मिलकर एक नया क्रेडिट कार्ड रुपे वेव लॉन्च किया है। यह कार्ड रुपे के अत्यधिक सक्षम नेटवर्क पर यूपीआई आधारित लेनदेन की विभिन्न सुविधाओं के माध्यम से ग्राहकों को सशक्त बनाता है । यह योजना न केवल यूपीआई भुगतान के अनुभव के साथ रूपे क्रेडिट कार्ड के लाभों और अन्य सुविधाओं को लगातार एकीकृत करती है, बल्कि डिजिटल लेनदेन में सरलता और दक्षता के एक नए युग की शुरुआत भी करती है ।

फेडरल बैंक अपने ग्राहकों को निम्नलिखित लाभ दे रहा हैः

- फेडमोबाइल एप्लिकेशन (मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन) के माध्यम से सरल 2 क्लिक ऑपरेशन ।
- कोई एएमसी या भागीदारी शुल्क नहीं ।
- वेव क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके किए गए पहले पांच यूपीआई लेनदेन पर 10३ कैशबैक ।
- 50,000 रुपये के तिमाही खर्च पर 1000 बोनस रिवॉर्ड पॉइंट के माध्यम से भारी लाभ प्राप्त करें

इस महत्वपूर्ण लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, फेडरल बैंक की कार्यकारी निदेशक, शालिनी वारियर ने कहा, हम फेडरल रुपे वेव क्रेडिट कार्ड के रूप में एक और अभिनव भुगतान साधन पेश करने के लिए उत्साहित हैं । यह क्रेडिट कार्ड भारत के सबसे लोकप्रिय भुगतान साधन की सुविधा प्रदान करता है । एक डिजिटल एप्लिकेशन प्रक्रिया कुछ ही सेकंड मे यह सुनिश्चित करती है कि ग्राहक बाजार में उपलब्ध कई यूपीआई ऐप्स के माध्यम से तुरंत अपना लेनदेन शुरू करने में सक्षम हैं । हम देश में डिजिटल क्रांति में योगदान देकर बहुत खुश हैं और इस यात्रा में बहुमूल्य समर्थन के लिए एनपीसीआई को धन्यवाद देते हैं ।''

पश्चिम रेलवे - राजकोट मंडल

ओएचई संशोधन कार्य

निविदा सूचना सं :DRM/RJT/E-Tender/EL/TRD/2024-2025/03 दिनांक 19.06.2024 निविदा संख्या : DRM-RJT-EL-TRD-2024-25-03 (i) कार्य का नाम : मोड़पुर-खंभालिया सेक्शन के बीच एलसी संख्या 233 के बदले आरओबी प्रदान करने के संबंध में ओएचई संशोधन कार्य। (ii) अनुमानित लागत : ₹ 71,75,406.63/- बयाना राशि : ₹1,43,600/- (iv) ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि और समय : 17.07.2024 को 15.00 बजे तक। (v) कार्यालय का पता : मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/कर्षण), पश्चिम रेलवे, कोठी कंपाउंड, राजकोट-36000 1वेबसाइट विवरण : "www.ireps.gov.in" 40

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे मुंबई सेंट्रल - अमृतसर के बीच विशेष ट्रेन चलाएगी

ट्रेन नं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियाँ	प्रस्थान	आगमन
09009	मुंबई सेंट्रल-अमृतसर	27.06.2024	23.30 बजे (गुरुवार)	10.30 बजे (शनिवार)
09010	अमृतसर - मुंबई सेंट्रल	29.06.2024	15:00 बजे. (शनिवार)	23:55 बजे. (अगले दिन)

पड़ावः बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़, अजमेर, जयपुर, अलवर, रेवाड़ी, रोहतक, जिंद, जाखल, धुरी, लुधियाना, जालंधर कैंट। और ब्यास, दोनों दिशाओं में स्टेशन।

संरचनाः एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।

समय, पड़ाव और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry. Indianrail.gov.in पर जा सकते हैं

ट्रेन नंबर 09009 की बुकिंग 26/06/2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराये पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे www.wr.indianrailways.gov.in हमें यहां लाइक करें : facebook.com/WesternRly हमें यहां फ़ॉलो करें : twitter.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रमाण साथ रखें

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95

NIPUN BHARAT | Mission Schools of Excellence | गुजरात सरकार | समग्र शिक्षा Samagra Shiksha

कन्या केलवणी एवं शाला प्रवेशोत्सव २०२४

उत्सव... उल्लासपूर्ण शिक्षण का

२६, २७, २८ जून, २०२४

मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सेलेंस

अंतर्गत

५०,००० नये क्लासरूम

१,००,०००+ स्मार्ट क्लासरूम

३+ लाख कंप्यूटरों के साथ २५,००० + कंप्यूटर/एसटीईएम लैब

शिक्षा की गुणवता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध गुजरात सरकार

---

१० लाख से अधिक
बेटियों को नमो लक्ष्मी योजना से लाभ

---

३ लाख से अधिक छात्रों को
नमो सरस्वती विज्ञान साधना योजना से लाभ

---

१ लाख से अधिक प्रतिभाशाली छात्रों को
मुख्यमंत्री ज्ञान सेतु मेरिट स्कॉलरशिप, मुख्यमंत्री ज्ञान साधना मेरिट स्कॉलरशिप एवं ज्ञान शक्ति रेसिडेंशियल स्कूल्स ऑफ एक्सेलेंस योजनाओं का लाभ

जिला और तालुका स्तर पर **विद्या समीक्षा केन्द्रों** की शुरुआत